संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 262
पृष्ठ 8
शनिवार
14 जून 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– पंजाबी स्टाइल सलवार-सूट में... **विचार–** आपदा में एक और अवसर **खेल–** 2005 से सिर्फ एक बार लॉर्ड्स में चेज...

मोदी ने विमान दुर्घटनास्थल का लिया जायजा, अस्पताल में घायलों का हालचाल जाना

अहमदाबाद, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को अहमदाबाद के मेघानीनगर में हुए विमान दुर्घटनास्थल पर पहुंचे और वहां को जायजा लेने के बाद उन्होंने अस्पताल पहुंचकर घायलों से भी मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। विमान हादसे से पूरा देश शोक में हैं। प्रधानमंत्री ने दुर्घटना में एकमात्र जीवित बचे व्यक्ति रमेश विश्वास से भी मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और अन्य घायलों से भी उनका हालचाल जाना। श्री मोदी विमान दुर्घटना के बाद पल–पल पर अपनी नजर बनाये हुए हैं। प्रधानमंत्री के साथ केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और कई शीर्ष अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद रहे और घटनास्थल का बारीकी से जायजा लिया। प्रधानमंत्री ने कहा, "आज अहमदाबाद में दुर्घटनास्थल का दौरा किया। तबाही का मंजर दुखद है। अधिकारियों और टीमों से मुलाकात की जो घटना के बाद अथक परिश्रम कर रहे हैं। हमारी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने इस अकल्पनीय त्रासदी में अपने प्रियजनों को खो दिया है।" गौरतलब है कि गुरुवार दोपहर में एयर इंडिया का विमान 786 उड़ान भरने के दो मिनट बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान में चालक दल के 12 सदस्य सहित कुल 242 यात्री सवार थे। इस हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी का भी निधन हो गया। विमान में सवार यात्रियों में 169 भारतीय नागरिक, 53 ब्रिटिश, सात पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक था। इस हादसे में भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक रमेश विश्वास ही जीवित बचे है। उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। विमान दुर्घटना के बाद कल शाम गृह मंत्री अमित शाह ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया था। इस बीच विमान हादसे की जांच भी तेज हो गई है। सरकार ने जांच के लिए हाई लेवल कमेटी बनाई है।

विमान में बम की धमकी मिलने के बाद आपातकालीन लैंडिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। थाईलैंड से नई दिल्ली जा रहे एयर इंडिया के एक विमान को शुक्रवार को विमान में बम की धमकी मिलने के बाद आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। 156 यात्रियों को लेकर उड़ान संख्या AI 379 ने स्थानीय समयानुसार सुबह 9:30 बजे (0230 GMT) फुकेत अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी। हालांकि, अंडमान सागर के चारों ओर चक्कर लगाने के बाद, विमान आपातकालीन प्रक्रियाओं के अनुसार थाई द्वीप पर वापस आ गया। थाईलैंड के हवाई अड्डों (AOT) के एक अधिकारी ने कहा कि आपातकालीन योजनाओं के अनुसार, उड़ान संख्या AI 379 पर सवार सभी 156 यात्रियों को विमान से उतार दिया गया। फ्लाइट ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म फ्लाइटराडार24 ने विमान को सुरक्षित रूप से उतरने से पहले उड़ान के बीच में वापस मुड़ते हुए दिखाया। एओटी ने बम की धमकी के बारे में विशिष्ट विवरण का खुलासा नहीं किया।

डॉक्टर हॉस्टल में मारे गए लोगों के परिवार को भी मिलेगा एक करोड़ मुआवजा?

टाटा ग्रुप ने इस मामले पर दी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के बाद एयर इंडिया की फ्लाइट क्रैश हो गई थी। इस फ्लाइट में 230 यात्रियों के अलावा कुल 242 लोग थे, जिसमें दो पायलट और 10 क्रू मेंबर्स थे। इस हादसे में फ्लाइट में सवार 241 लोगों की मौत हो गई है और सिर्फ एक ही व्यक्ति जीवित बचा है। इसका जीवित बचना किसी चमत्कार से कम नहीं माना जा रहा है। हादसे में जान गंवाने वालों का आंकड़ा 265 तक पहुंच गया है। बता दें कि टाटा ग्रुप के अध्यक्ष टाटा ग्रुप के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने हादसे के बाद मृतकों को एक–एक करोड़ रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है। इस घोषणा के बाद ये असमंजस बना हुआ था कि क्या राशि सिर्फ उन लोगों को मिलेगी जो विमान में सवार थे और हादसे का शिकार हो गए। या इस राशि का भुगतान उन लोगों के परिजनों को भी होगा जो विमान में सवार नहीं थे मगर हादसे में उनकी जान गई है। इस मामले को लेकर अब तस्वीर साफ हुई है। एयर इंडिया के स्वामित्व वाले टाटा ग्रुप ने इस मामले पर कहा कि इस हादसे में जान गंवाने वाले हर व्यक्ति के परिजन को एक करोड़ रुपये की राशि दी जाएगी। यानी ये राशि उन मृतकों के परिजनों को भी मिलेगी जो फ्लाइट में सवार नहीं थे मगर हादसे में उनकी मौत हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस हादसे में जान गंवाने वालों में पांच एमबीबीएस के छात्र, एक पीजी रेजिडेंट डॉक्टर और सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टर की पत्नी शामिल है। बता दें कि टाटा समूह ने ये स्पष्ट किया कि हादसे में जो लोग घायल हुए हैं उनका इलाज का खर्च बी कंपनी उठाएगी। ये भी सुनिश्चित किया जाएगा की उन्हें पूरा सहयोग मिले। कंपनी ने ऐलान किया कि बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल बिल्डिंग जो हादसे में क्षतिग्रस्त हुई है उसके पुनर्निर्माण में भी मदद की जाएगी।

पंजाब के पठानकोट में एयरफोर्स के अपाचे हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग, इलाके में मचा हड़कंप

पठानकोट, एजेंसी। पंजाब के पठानकोट जिले के नांगलपुर पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत हलेड़ गांव में गुरुवार सुबह भारतीय वायुसेना के अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर ने आपातकालीन लैंडिंग की। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, किसी के घायल होने या किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। पठानकोट वायुसेना स्टेशन से उड़ान भरने वाले हेलीकॉप्टर को कथित

तौर पर तकनीकी दिक्कतों का सामना करने के बाद एहतियातन खुले मैदान में उतरना पड़ा। हेलीकॉप्टर को उतरते देख ग्रामीण मौके पर जमा हो गए, लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत इलाके की घेराबंदी कर दी। 6 फ़रवरीः मध्य प्रदेश के शिवपुरी के पास मिराज 2000 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। प्रशिक्षण उड़ान के दौरान विमान में सिस्टम में खराबी आने के बाद पायलट सुरक्षित रूप से बाहर निकल गए। कोर्ट ऑफ़ इंक्वायरी के आदेश दिए गए। नवंबर 2023: उत्तर प्रदेश के आगरा के पास एक अन्य प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान मिग–29 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में बीच हवा में तकनीकी खराबी आने के बाद पायलट सुरक्षित रूप से बाहर निकल गया।

मोदी ने पटेल, केन्द्र व राज्य के मंत्रियों एवं वरिष्ठ सचिवों के साथ की उच्च स्तरीय बैठक

गांधीनगर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केन्द्र व राज्य के मंत्रियों एवं वरिष्ठ सचिवों के साथ शुक्रवार को उच्च स्तरीय बैठक की। श्री मोदी समग्र हालात का जायजा लेने के लिए शुक्रवार सुबह अहमदाबाद आ पहुँचे और उन्होंने विमान दुर्घटना स्थल की प्रत्यक्ष दौरा किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से क्षतिग्रस्त मेडिकल हॉस्टल एवं मेस बिल्डिंग का निरीक्षण किया। इस मुलाकात में प्रधानमंत्री के साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू, केन्द्रीय जल–शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल, केन्द्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर

मोहोल, गुजरात के नागरिक उड्डयन मंत्री बलवंतसिंह राजपूत, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी, राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, मुख्य सचिव पंकज जोशी, गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार दास, राज्य पुलिस महानिदेशक विकास सहाय सहित प्रशासन के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।दुर्घटना स्थल का जायजा लेकर प्रधानमंत्री अहमदाबाद सिविल अस्पताल पहुँचे और वहाँ उपचाराधीन घायलों से मिले। इस मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री ने घायलों के स्वास्थ्य का हाल पूछकर परिजनों को इस विकट स्थिति का सामना करने की हिंमत बंधाई। प्रधानमंत्री इस दुर्घटना में घायल हुए डॉक्टरों और स्वास्थ्य वर्कर्स से भी मिले। प्रधानमंत्री ने घायलों का उपचार कर रहे चिकित्सकों से घायलों की वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी ली। प्रधानमंत्री मोदी ने इन स्थलों का जायजा लेने के बाद अहमदाबाद में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल तथा राज्य सरकार के मंत्रियों एवं वरिष्ठ सचिवों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की।

धारवाड़ में बारिश से दो लोगों की मौत के बाद कर्नाटक के नौ जिलों में रेड अलर्ट

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में दक्षिण–पश्चिम मानसून के जोर पकड़ने के कारण भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को राज्य में मूसलाधार बारिश के मद्देनजर नौ जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया। राज्य में लगातार हो रही बारिश के बाद हुबली–धारवाड़ में दो लोगों की मौत हो गई है। धारवाड़ जिले में एक व्यक्ति की बुधवार को उस समय मौत हो गई जब उसका ट्रैक्टर कुंडगोल तालुक के हंचिनाल गांव के पास एक नाले में पलट गया था। उसकी पहचान 31 वर्षीय किसान शिवय्या बसय्या वतनलमठ के रूप में की गयी है। एक अन्य घटना में एक व्यक्ति को हुबली के नेकर नगर में एक उफनते नाले में अपने दोपहिया वाहन के साथ बह गया। उसके साथ पीछे बैठे व्यक्ति को हालांकि राहगीरों ने बचा लिया। मृतक की पहचान हुसैनसब कलासा(58) के रूप में हुयी है। आईएमडी ने लगातार बारिश के मद्देनजर उत्तर कन्नड़, उडुपी, दक्षिण कन्नड़, बेलगावी, धारवाड़, गडग, घ्चिकमगलुरु, कोडागु और शिवमोग्गा में रेड अलर्ट जारी किया है। यह अर्लट अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी है जिससे जान–माल के लिए गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। एहतियात के तौर पर, उडुपी और कोडागु जिलों में स्कूल और आंगनवाड़ी बंद कर दिए गए हैं। शिवमोग्गा, चिकमगलुरु और हासन सहित मलनाड क्षेत्र में लगातार बारिश ने दैनिक जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। बारिश के कारण कई पेड़ उखड़ गए, यातायात बाधित हुआ और निचले इलाकों में जलभराव हो गया। इस क्षेत्र में पिछले 24 घंटे में 21.9 मिमी बारिश दर्ज की गई जो इस समय के लिए सामान्य 9.5 मिमी से दोगुनी से भी अधिक है। उत्तरी कर्नाटक में, बेलगावी और बागलकोट जिलों के कुछ हिस्सों में अचानक आई बाढ़ ने कहर बरपाया है। रायबाग में पानी घरों में घुस गया। जिसके कारण अस्थायी तौर पर सड़कें बंद करनी पड़ीं, जबकि गुलेदगुड्डा शहर में मालाप्रभा नदी पर बना पार्वती पुल डूब गया, जिससे वाहनों को अन्यत्र मार्ग से भेजना पड़ा है। भारी बारिश के काण एक पेट्रोल पंप और कई घर भी जलमग्न हो गए। राज्य भर के जलाशयों में पानी का प्रवाह तेजी से बढ़ गया है। अलमट्टी में लाल बहादुर शास्त्री जलाशय में 12,641 क्यूसेक पानी का प्रवाह रिकॉर्ड किया गया जबकि हिप्पारागी बैराज में 11,608 क्यूसेक पानी का प्रवाह हुआ। हिडकल में राजा लखमागौड़ा जलाशय 48.98 मिलियन क्यूबिक फीट(टीएमसीएफटी) तक पहुंच गया जो इसकी पूरी क्षमता 51 टीएमसीएफटी के करीब है। आईएमडी ने राज्य के नौ जिलों में रेड अलर्ट के अलावा बागलकोट, बेलगावी और शिवमोग्गा के लिए ऑरेंज अलर्ट और विजयनगर, दावणगेरे, चित्रदुर्ग, बल्लारी, गडग और धारवाड़ के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

फिल्म 'ठग लाइफ' विवाद पर सुप्रीम कोर्ट का कर्नाटक सरकार को नोटिस

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने मशहूर फिल्म अभिनेता कमल हासन की मुख्य भूमिका वाली फिल्म श्ठग लाइफश को कर्नाटक के सिनेमाघरों में प्रदर्शित करने पर प्रतिबंध के खिलाफ दायर एक जनहित याचिका पर शुक्रवार को राज्य सरकार को नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने श्ठग लाइफश पर प्रतिबंध के खिलाफ महेश रेड्डी की याचिका पर कर्नाटक सरकार को नोटिस जारी करके अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया। याचिका में आरोप लगाया गया है कर्नाटक सरकार ने आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं के पालन किए बगैर राज्य मे फिल्म के प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगा दिया। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने इस मामले पर विचार करने के पक्ष में दलीलें दीं। उन्होंने कर्नाटक सरकार पर उन चरमपंथी तत्वों के समक्ष आत्मसमर्पण करने का भी आरोप लगाया जो भाषाई अल्पसंख्यकों को निशाना बनाते हुए संबंधित सिनेमाघरों को जलाने की खुलेआम धमकियां दे रहे थे। पीठ ने याचिकाकर्ता की दलीलें सुनने के बाद राज्य सरकार को नोटिस जारी करने का आदेश पारित किया।

देश में कोरोना के कुल सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 7131 हुयी

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना संक्रमण के सक्रिय मामलों में कमी आने से सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 7131 रह गयी। आज सुबह आठ बजे तक कोरोना संक्रमण के 23 नये सक्रिय सामने आये और एक मरीज की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 78 हो गयी है। गुरुवार को कोरोना सक्रिय मामलों की कुल संख्या 7154 तक पहुंच गयी थी।केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आज जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण से केरल में एक मरीज की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 78 हो गयी है। यह वायरस हालांकि अब आपातकालीन स्तर का खतरा नहीं है, लेकिन स्वास्थ्य अधिकारियों ने

चेतावनी दी है कि कोरोना इन्फ्लूएंजा की तरह मौसमी रूप से फैलता रहता है। वर्ष 2025 की शुरुआत से अब तक लगभग 10,976 लोग इस वायरस के संक्रमण से ठीक हो चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार संक्रमण के नये उभरते वेरिएंट, विशेष रूप से एलएफ.7, एक्सएफजी, जेएन.1 और हाल ही में पहचाने गये एनबी.1.8.1 सबवेरिएंट के कारण हो रहा है। इन वेरिएंट्स की जांच चल रही है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार देश के 28 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में कोरोना के सक्रिय मामलों में वृद्धि हुई है, जबकि तीन राज्यों त्रिपुरा, मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश में कोरोना संक्रमण का कोई मामला सामने नहीं आया है। केरल, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में सक्रिय मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। संक्रमण के मामले में केरल सबसे अधिक प्रभावित राज्य रहा है, लेकिन आज सुबह तक 110 सक्रिय मामलों में कमी आने के बावजूद इसका आंकड़ा 2055 पर बना हुआ है और राष्ट्रीय राजधानी में लगभग 26 मामले घटने से संक्रमितों की कुल संख्या 714 रह गई। गुजरात में 77 सक्रिय मामले बढ़ने से कुल सक्रिय मामलों की संख्या बढकर 1358 तक पहुंच गयी है।

ईश्वर का चमत्कार... लाशों के अंबार के बीच एक शख्स जिंदा

व्यक्तिने बताया कैसे बनी जान, पीएम मोदी ने की मुलाकात

अहमदाबाद। पीएम नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद सिविल अस्पताल में एयर इंडिया विमान दुर्घटना में जीवित बचे एकमात्र व्यक्ति से मुलाकात की। रमेश विश्वासकुमार बुचरवाड़ा, जो दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया विमान ।प्171 में सवार 242 लोगों में से एक थे, चमत्कारिक रूप से दुर्घटना में बच गए। ब्रिटिश नागरिक 38 वर्षीय रमेश गुरुवार दोपहर अहमदाबाद हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान में सीट 11। पर बैठे थे – जो आपातकालीन निकास द्वार के ठीक पीछे स्थित है – जिसमें 200 से अधिक लोग मारे गए थे। दुर्घटना के कुछ क्षण बाद लिए गए एक वीडियो में घायल रमेश को एम्बुलेंस की ओर जाते हुए दिखाया गया है, जबकि आसपास खड़े लोग उसे घेरकर विमान में सवार अन्य लोगों के बारे में पूछ रहे हैं। अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान ।प्171 दुर्घटना में जीवित बचे एकमात्र व्यक्ति, जिसमें 265 लोग मारे गए थे, ने खुलासा किया है कि कैसे वह आपदा के बाद भड़की आग से चमत्कारिक रूप से बच गया। ब्रिटिश नागरिक विश्वाश कुमार रमेश विमान के बाईं ओर आपातकालीन द्वार के बगल में 11। में बैठे थे। उन्होंने कहा कि

विमान उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद टूट गया और उनकी सीट मलबे से अलग हो गई। परिणामस्वरूप, वे विमान के बाकी हिस्सों में लगी आग से बच गए। अहमदाबाद सिविल अस्पताल में उनका इलाज कर रहे डॉक्टरों से उन्होंने कहा, षविमान टूट गया और मेरी सीट निकल गई। इस तरह मैं बच गया। रमेश ने डॉक्टरों से कहा कि वे विमान से कूदे नहीं थे, बल्कि विमान के टूटने के समय वे अपनी सीट से बंधे हुए ही बाहर फेंके गए थे। उन्हें चोटें आईं और उन्हें ट्रॉमा वार्ड में निगरानी में रखा गया है। अब वायरल हो रहे एक वीडियो में घायल और खून से लथपथ रमेश को एम्बुलेंस की ओर लंगड़ाते हुए जाते हुए दिखाया गया है, जबकि आसपास खड़े लोग उनसे विमान में सवार बाकी लोगों के बारे में सवाल पूछ रहे हैं। लंदन के गैटविक हवाई अड्डे के लिए रवाना होने वाला बोइंग 787–8 ड्रीमलाइनर विमान गुरुवार को अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद एक मेडिकल कॉलेज के छात्रावास में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में 230 यात्री और 12 चालक दल के सदस्य सवार थे। 11 साल पुराने इस विमान को मीलों दूर से देखा जा सकता था, यह तेजी से अपनी ऊंचाई खो रहा था और आग की लपटों में जल रहा था, जिससे हवा में घने काले धुएं का गुबार उठ रहा था। विमान लगभग 600–800 फीट ऊपर चढ़ा और फिर लगभग तुरंत ही जमीन पर गिर गया। घटना के बाद की तस्वीरों में विमान के कुछ हिस्से बीजे मेडिकल कॉलेज में धंसे हुए दिखाई दे रहे थे, जिसमें इसके लैंडिंग गियर, धड़ और पूंछ के टुकड़े इमारत से बाहर निकल रहे थे।

सकारात्मक सोच और संवाद शक्तिशाली उपकरण

प्रयागराज। शम्भूनाथ संस्थान के फार्मेसी संकाय में व्याख्यान हुआ। मुख्य अथिति मोटिवेशनल काउंसलर डॉ. सुग्रीव सिंह ने कहा कि लोगों को खुद पर विश्वास करना चाहिए तथा अपनी क्षमताओं को पहचानना चाहिए तभी जीवन मे सफलता प्राप्त की जा सकती है। डॉ. अरविन्द कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि सकारात्मक सोच और संवाद एक शक्तिशाली उपकरण है जो लोगों को प्रेरित और उत्साहित कर सकता है। संस्थान के सचिव कौशल कुमार तिवारी ने शुभकामनाएं दी।

जुलाई सत्र के लिए दाखिला शुरू

प्रयागराज। इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) की ओर से जुलाई 2025 सत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जो भी अभ्यर्थी यूजी, पीजी, आदि के डिस्टेंस या ऑनलाइन लर्निंग कोर्सेज में प्रवेश लेना चाहते हैं वे ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं। आवेदन इग्नू की ऑफिशियल वेबसाइट पहदवन.ंब.पद पर जाकर या इस पेज पर दिए डायरेक्ट लिंक से भरा जा सकता है। एडीसी इग्नू केंद्र समन्वयक प्रो. आनंद कुमार की ओर से जारी सूचना के अनुसार परास्नातक समेत कई पाठ्यक्रमों में प्रवेश शुरू है। प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन है, आवेदन करने की अन्तिम तिथि 15 जुलाई तय की गई है।

15 जून को प्रोफेशनल इंजीनियरों का होगा समारोह

प्रयागराज। प्रोफेशनल इंजीनियर वेलफेयर सोसाइटी प्रयागराज की ओर से 15 जून को वार्षिक समारोह का आयोजन होटल कान्हा श्याम में आयोजित किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि लोक सेवा आयोग के सदस्य डॉ. एके वर्मा व विशिष्ट अतिथि मोटिवेशनल वक्ता शिव शंकर सिंह होंगे। समारोह में इस्कॉन की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किया जाएगा, जिसमें बच्चों का राष्ट्रभक्ति पर आधारित नाट्य मंचन होगा। एसोसिएशन के सचिव इंजीनियर विवेक कुमार गुप्त ने बताया कि समारोह पूरी तरह से तकनीकी जानकारी पर केंद्रित रहेगा। इसमें इंजीनियर ग्रीन हाउस, सोलर ऊर्जा व जल संरक्षण पर अपनी बातें रखेंगे।

चार महीने बंद रहेगा सिक्स लेन पुल का काम

प्रयागराज। गंगा पर बनाए जा रहे सिक्स लेन पुल का कार्य एक बार फिर प्रभावित होने जा रहा है। फाफामऊ में गंगा पर इस समय लगातार जलस्तर बढ़ता जा रहा है। इसको देखते

हुए पुल निर्माण कर रही सिंगला कंपनी ने बचे हुए दो स्पैन को लगाने का काम समेटना शुरू कर दिया है। तीन हाइड्रा मशीन शनिवार को हटा दिया जाएगा। जबकि निर्माण सामग्री हटाई जा रही है। कंपनी के एमडी सुनील सिंगला ने बताया कि पंद्रह जून के बाद काम को रोक दिया जाएगा। स्पैन निर्माण का कार्य अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से शुरू किया जाएगा।

अंतर जनपदीय तबादले के आवेदन की तिथि 15 जून तक बढ़ी

प्रयागराज। बेसिक शिक्षा परिषद के प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कंपोजिट विद्यालयों में शिक्षकों के अंतर जनपदीय तबादले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून तक बढ़ा दी गई है।

बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव सुरेन्द्र कुमार तिवारी की ओर से पांच जून को जारी आदेश में ऑनलाइन आवेदन के लिए नौ से 12 जून तक का अवसर दिया गया था। शिक्षकों–शिक्षिकाओं को 15 जून तक ऑनलाइन आवेदन करते हुए उसकी छायाप्रति संबंधित बीएसए कार्यालय में जमा करनी होगी। उसके बाद बीएसए के स्तर से ऑनलाइन सत्यापन एवं डाटा लॉक किया जाएगा।

अरैल में शिवालय पार्क के पास बनेगा पब्लिक प्लाजा

प्रयागराज। अरैल में शिवालय पार्क की सफलता के बाद पब्लिक प्लाजा बनाने की तैयारी हुई है। संगम किनारे पब्लिक प्लाजा में कृत्रिम झील होगी। झील में लोग बोटिंग कर सकेंगे। परिसर में आउटडोर स्पोर्ट्स की सुविधा भी होगी। पब्लिक प्लाजा 40 हजार वर्ग मीटर में बनाने का प्रस्ताव है। शिवालय पार्क के पास प्लाजा के लिए जमीन भी चिह्नित कर ली गई है। नगर निगम ने नगर अभ्युदय योजना के तहत पब्लिक प्लाजा की योजना तैयार किया।

प्लाजा के निर्माण पर 25 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। यह योजना प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात के समक्ष भी पेश की गई है। प्लाजा में बच्चों के खेलने की जगह, जापानी गार्डन, फूड कोर्ट के अलावा लाइट एंड साउंड शो की व्यवस्था होगी। नगर निगम के मुख्य अभियंता अनिल मौर्या ने बताया कि नगर अभ्युदय योजना के तहत प्रमुख सचिव के सामने 65 करोड़ के चार प्रस्ताव पेश किए गए हैं। पब्लिक प्लाजा के अलावा लोकनाथ को हेरिटेज मोहल्ला के तौर पर विकास करने, पत्थर गिरजाघर के बाहर आकर्षक लाइट लगाने और मुंडेरा में जोनल कार्यालय बनाने का प्रस्ताव पेश किया गया है।

डॉक्टरों का टोटा, ईंट पर टिकी कुर्सी, मोबाइल पर भेज रहे एक्स रे रिपोर्ट

प्रयागराज। मूलभूत सुविधाओं में चिकित्सा बुनियादी जरूरत है। केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से तमाम स्वास्थ्य योजनाएं संचालित की जा रही हैं। ग्रामीणों के इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) की व्यवस्थाएं चुस्त–दुरुस्त रखने का दावा किया जाता है, लेकिन धरातल पर सच बिल्कुल अलग है। डॉक्टरों की कमी, दवाओं का टोटा मरीज–तीमारदारों पर भारी पड़ रहा है। मरीजों–तीमारदारों से बातचीत की तो उनका दर्द छलक पड़ा। सभी ने अव्यवस्था पर रोष जताते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवा के नाम पर लाखों रुपये खर्च करने के बाद भी अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा है।

अस्पताल में पर्याप्त डॉक्टर तक नहीं हैं। इससे समुचित इलाज नहीं मिल पाता। गंभीर मरीजों को लेकर शहर के अस्पतालों में ले जाना पड़ता है। सीएचसी कोटवा एट बनी जिला मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित कोटवा एट बनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रतिदिन 200 से 250 मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। महाकुम्भ के दौरान अस्पताल के जीर्णोद्धार के नाम पर एक करोड़ बीस लाख रुपये खर्च किए गए, फिर भी मरीजों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है। इस ब्लॉक में दो सीएचसी संचालित हैं। दोनों अस्पतालों में जहां कम से कम आठ डॉक्टर होने चाहिए, वहां तीन डॉक्टरों के सहारे ओपीडी और इमरजेंसी सेवा चलाई जा रही है। यहां पर एक भी विशेषज्ञ चिकित्सक नियुक्त नहीं है। हर रोज प्रसव होते हैं फिर भी कोई बाल रोग विशेषज्ञ नहीं है। हार्ट के मरीजों की जांच के लिए सीएचसी में ईसीजी मशीन तक नहीं है। डेंटल चेयर वर्षों से टूटी पड़ी है। डॉक्टर कुछ दिन तक ईंट के सहारे टूटी डेंटल चेयर से काम लेते रहे, लेकिन अब उस लायक भी नहीं रही। किसी तरह एक्स–रे मशीन की सेवा तो शुरू हुई, लेकिन एक्स–रे इमेज का टोटा आज तक बना हुआ है। एक्स–रे टेक्निशियन बृजलाल बताते हैं कि एक्स–रे करने के बाद इमेज को मरीज के स्मार्ट मोबाइल पर सेंड कर देते हैं, लेकिन जिनके पास स्मार्टफोन नहीं है उन्हें एक्सरे इमेज कैसे दी जाती है इसका कोई जवाब नहीं है। हेल्थ एटीएम से 72 जांच का दावा खोखला दो साल पहले लगे हेल्थ एटीएम से मामूली खर्च और कम समय में गंभीर बीमारियों की 72 जांच और रिपोर्ट उपलब्ध होने का दावा किया गया था, लेकिन लाखों रुपये लागत की मशीन से मरीजों का महज लंबाई और वजन नापा जा रहा है। कारण बताया गया कि जांच के लिए स्ट्रिप्स नहीं है। ऑक्सीजन प्लांट का उपयोग नहीं कोरोना काल में हंस फाउंडेशन संस्था की ओर से करीब 50 लाख की लागत से यहां ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किया गया था। कोरोना बढ़ने पर प्लांट को झाड़ पोंछ कर इसकी क्रियाशीलता चेक कर ली जाती है। आम दिनों में प्लांट का कोई उपयोग नहीं है। रेफरल सेंटर बनकर रह गया है सीएचसी 113 गांवों के लोगों का सहारा यह अस्पताल महज रेफरल सेंटर बनकर रह गया है। वैसे यह अस्पताल 30 बेड का है, लेकिन शायद ही किसी मरीज को रात–दो रात के लिए भर्ती किया गया हो। भर्ती होने वाले मरीजों को या तो कुछ घंटे बाद छुट्टी दे दी जाती है या फिर उन्हें बड़े अस्पताल के लिए रेफर कर दिया जाता है। परिसर में ही जलाया जा रहा मेडिकल कचरा मेडिकल कचरा, सिरिंज, प्लास्टिक आदि परिसर में ही जलाए जा रहे हैं, जबकि मेडिकल वेस्ट निस्तारण के लिए फेरो कंपनी की कूड़ा गाड़ियां लगाई गई हैं। बताया गया कि कूड़ा गाड़ी के नहीं आने पर सफाई कर्मी कचरे को जला देते हैं। जबकि सीएचसी परिसर से सटा एक विद्यालय भी है।

वातावरण प्रदूषित होने पर बच्चे भी जद में आ जाएंगे। कचरा जलाने की जानकारी होने पर सीएचसी अधीक्षक ने सफाईकर्मियों को फटकार लगाई। महाकुम्भ ड्यूटी पर गए स्वास्थ्यकर्मी नहीं हुए रिलीव सीएचसी अधीक्षक मनीष कुमार मौर्या बताते हैं कि स्टाफ की कमी बहुत बड़ी समस्या है। महाकुम्भ ड्यूटी में लगाए गए आधा दर्जन स्वास्थ्यकर्मी अभी तक रिलीव नहीं किए गए हैं। महाकुम्भ ड्यूटी पर लगाए गए हेल्थ सुपरवाइजर विजय, सियाराम, लैब टेक्नीशियन संतोष, जनार्दन सिंह, स्वास्थ्य अधिकारी जियालाल व एक्स–रे टेक्निशियन बृजलाल सिंह बताते हैं कि विवशता में उन्हें दोनों जगह काम करना पड़ रहा है। शिकायतें और सुझाव – सीएससी में किसी विशेषज्ञ डॉक्टर की नियुक्ति नहीं है। – अस्पताल परिसर में मेडिकल कचरा जलाने से प्रदूषण बढ़ रहा है। – कई स्वास्थ्यकर्मी अस्पताल में समय से नहीं आते हैं। – रैबीज इंजेक्शन लगाने के लिए 20 से 50 रुपये की वसूली होती है। – गंभीर मरीजों को इलाज न मिलने से शहर ले जाना पड़ता है। – एक बाल रोग विशेषज्ञ सहित दो विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति होनी चाहिए। – आधा दर्जन स्वास्थ्य कर्मियों को अविलंब महाकुम्भ ड्यूटी से रिलीव करना चाहिए। – मरीजों को रेफर करने के बजाए भर्ती कर इलाज देने की व्यवस्था की जाए। – अस्पताल परिसर में मेडिकल कचरा जलाने वालों पर कार्रवाई की जाए। – रैबीज इंजेक्शन के नाम पर होने वाली वसूली भी बंद हो, संबंधित पर कार्रवाई हो। हमारी भी सुनें बेटवा के पेट में दर्द होत बा, तीन बार से दवाई लई जात हई, अराम नाही लगत बा। हिया घंटन लंबी लाइन में खड़ा होईके पड़त हय। जांच के लिए कभहु ई कमरा तो कभहू उ कमरा दौड़ई के पड़त हय। – राम अभिलाष सुबह आठ बजे से अस्पताल में आए हैं, पैर में बहुत दर्द है। दस बज रहे हैं, अभी तक डॉक्टर नहीं बैठे हैं। इस अस्पताल की व्यवस्थाएं नहीं सुधर रही हैं। जिम्मेदार बेपरवाह हैं। – अरविंद कुमार मरीज दोस्त के दांत में बहुत दर्द था। सीएचसी में दिखाने गए तो डेंटल कक्ष में ताला लटक रहा था। पता चला डॉक्टर छुट्टी पर हैं। बिना दिखाए ही लौटना पड़ा। – संजना सीने में दर्द हो रहा था। डॉक्टर ने एक्स–रे के लिए लिखा था। सीएचसी में एक्स–रे तो हुआ लेकिन एक्स–रे फिल्म नहीं दी गई। अस्पताल में व्यवस्थाएं ठीक नहीं होने के कारण लोगों को परेशान होना पड़ता है। – ज्ञानेंद्र कुमार सिंह सीएचसी में सुविधाओं के नाम पर खानापूर्ति हो रही है। कभी डॉक्टर नही तो कभी जांच किट नहीं। जिम्मेदारों की लापरवाही और मनमानी की वजह से आम जनता परेशान होती है। –शिव शंकर तिवारी सरकार स्वास्थ्य विभाग पर पानी की तरह पैसा बहा रही है, लेकिन लोगों को समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। सीएचसी में न तो बाल रोग विशेषज्ञ हैं और न ही कोई एमडी मेडिसन। – प्रभात कुमार पांडेय एंटी रैबीज इंजेक्शन लगाने के लिए रुपये मांगे जाते हैं। इसकी शिकायत अधीक्षक से की गई थी, लेकिन वसूली बंद नहीं हुई। जिम्मेदार ही जब खामोश हैं तो व्यवस्था कैसे सुधरेगी। – प्रदीप कुमार सिंह, ग्राम प्रधान बनी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र देवरिया दो फार्मासिस्टों के सहारे चल रहा है। यहां पर भी डॉक्टर के बैठने की व्यवस्था हो। मरीजों को इलाज मिलने से बड़ी राहत होगी। – सचिन सिंह, ग्राम प्रधान देवरिया हृदय रोग के मरीजों की जांच के लिए ईसीजी मशीन नहीं है। हेल्थ एटीएम की जांच स्ट्रिप भी नहीं रहती है। इससे इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। ––करुणा शंकर दुबे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए मात्र एक सहारा है। लेकिन संसाधनों का अभाव और जिम्मेदारों की लापरवाही से अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा है। अव्यवस्थाएं सुधरी जाएं। – बृजेश श्रीमुख अस्पताल में इमरजेंसी सेवा ठीक नहीं है। मरीजों को यहां से रेफर कर दिया जाता है। इससे लोगों को बहुत परेशानी होती है। अस्पताल में समुचित इलाज की व्यवस्था की जानी चाहिए। बेला सिंह एक्स–रे करने के बाद इमेज फिल्म नहीं देते हैं। बताते हैं एक्स–रे फिल्म नहीं है। एक्स–रे इमेज को मोबाइल में भेज देते हैं। जिनके पास स्मार्टफोन मोबाइल नहीं होता उन्हें एक्स–रे का लाभ नहीं मिल रहा है। – धर्मेंद्र जयसवाल बोले जिम्मेदार दोनों सीएचसी के लिए कम से कम आठ डॉक्टरों की जरूरत पड़ती है, लेकिन स्टाफ बहुत कम है। पैथोलॉजी में कोई दिक्कत नहीं है। रोज 40–50 मरीजों की जांच हो रही है। रही बात एक्स–रे फिल्म और हेल्थ एटीएम जांच स्ट्रिप्स की तो जिले में उपलब्ध होने पर सीएचसी में भी आती है। गर्मी में आने वाले मरीजों के लिए ठंडा पेयजल उपलब्ध रहता है। यहां प्रसव के दौरान जच्चा–बच्चा का भी पूरा ख्याल रखा जाता है। – मनीष कुमार मौर्या, सीएचसी अधीक्षक

साइबर ठग की ब्लैकमेलिंग से परेशान छात्रा ने दी जान, रकम हड़पने के बाद मांगे थे और

प्रयागराज। यूपी में साइबर ठगों का जाल फैलता ही जा रहा है। इस बार प्रयागराज में एक लड़की साइबर ठगों के जाल में फंसी और इससे निकलने के लिए छात्रा ने जान ही दे दी। बताया जा रहा है कि साइबर ठग की ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर एक प्रतियोगी छात्रा ने गोविंदपुर स्थित कमरे में गुरुवार सुबह फांसी लगा ली। इस बात की जानकारी उसने अपनी मां को फोन पर दी थी। पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। शिवकुटी पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार मूल रूप से बलिया के रसड़ा की रहने वाली 20 वर्षीय दिव्यांशी ने गुरुवार सुबह कमरे में पंखे से दुपट्टे से फांसी लगा ली।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे प्रयागराज कैंटमेंट बोर्ड में कार्यरत दिव्यांशी के चचेरे भाई संजीव कुमार ने बताया कि एक वर्ष पहले ही वह बलिया से प्रयागराज आकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। संजीव ने बताया कि दिव्यांशी ने सुबह अपनी मां से फोन पर बात की और कहा कि उसके साथ साइबर फ्राड हुआ है और 71 हजार रुपये की ठगी की गई है।

ठग ब्लैकमेल कर उससे 25 हजार रुपये और मांग रहा है, जिस पर मां ने उसे समझाया कि बेटी परेशान मत हो इसकी शिकायत पुलिस में दर्ज कराओ लेकिन इसके बाद भी उसने ऐसा आत्मघाती कदम उठा लिया।

शिवकुटी थाना प्रभारी रूकम पाल सिंह ने बताया कि कमरे से सुसाइड नोट नहीं मिला है, वहीं, छात्रा का मोबाइल पुलिस ने कब्जे में लेकर फारेंसिक जांच के लिए भेज दिया है। परिजनों ने बताया कि छात्रा के साथ साइबर फ्राड हुआ था जिसके चलते वह मानसिक तनाव में थी। छात्रा के पिता जयनाथ राम अमेरिका के न्यूयार्क शहर में एक कंपनी में जेई के पद पर कार्यरत हैं।

गुड्डू मुस्लिम, अरमान और साबिर के खिलाफ गैरजमानती वारंट

प्रयागराज। सुलेमसराय में लगभग ढाई साल पहले अधिवक्ता उमेश पाल और उनके दो सरकारी अंगरक्षकों की दिनदहाड़े हत्या के मामले में वांछित गुड्डू मुस्लिम, अरमान और साबिर के खिलाफ गुरुवार को गैंगस्टर न्यायालय से गैरजमानती वारंट जारी हुआ है। पुलिस ने तीनों आरोपियों की कई राज्यों में तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली।

इन तीनों पर पांच–पांच लाख रुपये का इनाम भी घोषित है। 24 फरवरी 2023 को अधिवक्ता उमेश पाल और उनके दो सरकारी अंगरक्षकों की उनके घर के बाहर दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मुख्य आरोपियों में गुड्डू मुस्लिम ने उमेश पाल और उनके एक अंगरक्षक पर बम फेंके, जबकि अरमान व साबिर ने दूसरे अंगरक्षक संदीप निषाद पर राइफल और पिस्तौल से गोलियां चलाई थीं।

घटना में पुलिस ने अतीक अहमद के गिरोह के तीन मुख्य आरोपियों गुड्डू मुस्लिम, अरमान और साबिर के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। पुलिस की ओर से 14 राज्यों में व्यापक तलाशी अभियान और सात राज्यों में जारी गिरफ्तारी वारंट के बावजूद पकड़ से दूर हैं। तीनों आरोपी अतीक अहमद के आईएस–227 गिरोह के सक्रिय सदस्य हैं। पुलिस के अनुसार, अब तक इस मामले में 15 लोगों पर आरोप लगाए गए हैं।

इनमें अतीक अहमद के बेटे उमर और अली सहित 12 आरोपी जेल में बंद हैं। गुड्डू मुस्लिम, अरमान व साबिर के अलावा अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन और उसके भाई अशरफ की पत्नी जैनब फातिमा व बहन आयशा नूरी भी फरार चल रही है। उमेश पाल हत्याकांड का धूमनगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। वहीं एयरपोर्ट थाना पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

557 परिषदीय स्कूलों का फिर से होगा निर्माण

प्रयागराज। प्रदेश के 412 परिषदीय प्राथमिक और 145 उच्च प्राथमिक विद्यालयों का फिर से निर्माण होगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की ओर से आयोजित उत्तर प्रदेश की वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट 2025–26 में यू–डायस डाटा 2023–24 के आधार पर विभिन्न मदों में निर्माण कार्य की मंजूरी मिली है।

1591 स्कूलों में अतिरिक्त कक्षा कक्ष, 1033 स्कूलों में वृहद् मरम्मत कार्य, 2545 विद्यालयों में सीडब्लूएसएन शौचालय और नौ बीआरसी का पुनर्निर्माण होना है। 1314 में 41218 फर्नीचर की खरीद होनी है जिसकी निविदा प्रक्रिया 15 जुलाई तक पूरी करने का लक्ष्य है। महानिदेशक स्कूली शिक्षा कंचन वर्मा ने सभी बेसिक शिक्षा अधिकारियों को समयसीमा में सारे कार्य करवाने के लिए अभी से तैयारी करने के निर्देश दिए हैं।

ब्रजवासियों ने भरी कॉरिडोर के लिए हुंकार, दर्जनों संगठन आगे आये

– संयुक्त किसान संगठन एवं सामाजिक संस्थाओं ने कॉरिडोर बनाने की मांग को लेकर जिलाधिकारी को दिया ज्ञापन

मथुरा। वृंदावन में बिहारी जी कॉरिडोर के पक्ष में अब सामाजिक संगठन खुलकर सामने आ रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए कॉरिडोर को आवश्यक बताते हुए निर्माण की मांग कर रहे हैं। शुक्रवार को दर्जन भर संगठनों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को वृंदावन में कॉरिडोर बनाए जाने की मांग को लेकर ज्ञापन दिए। जिलाधिकारी कार्यालय पर बांके बिहारी कॉरिडोर के समर्थन में संयुक्त किसान संगठन के बैनर तले भाकियू टिकैत, भाकियू सुनील, कियू अजय, भाकियू अराजनैतिक, भाकियू चौ चरण सिंह के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी से मुलाकात की। इनके अलावा सामाजिक संगठनों में महाराजा सूरजमल स्मृति न्यास, शहीद भगत सिंह संगठन, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, अखिल भारतीय जाट आरक्षण संघर्ष समिति, अखिल भारतीय प्रधान संगठन आदि के जिला मंडल एवं राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारियों द्वारा जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। सभी के स्तर पर कॉरिडोर बनवाने की मांग की। मुख्यमंत्री के नाम दिए ज्ञापन में प्रतिनिधि मंडलों में शामिल पदाधिकारियों ने कहा कि ऐतिहासिक प्रमाण उपलब्ध हैं कि श्री बांके बिहारी मंदिर की स्थापना 1863 में भरतपुर के राजा रतन सिंह (महाराजा सूरजमल के वंशज) द्वारा कराई गई थी। मंदिर हेतु राजा रतन सिंह ने अपने हास परिहास बगीचे को दान दिया था। इतिहासकारों के अनुसार मंदिर निर्माण के बाद ठाकुर जी की सेवा में लगे सेवायतों ने इसी बगीचे में अपने घर बना लिए। इस बगीचे में चार कुआं भी हुआ करते थे। जिसमें कुछ के अवशेष आज भी मौजूद हैं। पदाधिकारियों ने कहा कि कॉरिडोर निर्माण से समूचे ब्रज क्षेत्र के धार्मिक, आध्यात्मिक पर्यटन, व्यापार को नए पंख प्राप्त होंगे। वहीं न केवल मथुरा वृंदावन वरन दिल्ली एनसीआर और आसपास के जनपदों में लाखों लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। ज्ञापन देने वालों में किसान नेता बुद्धा सिंह प्रधान, भरत अग्रवाल, डॉ प्रवीण भास्कर एड., विपिन कुमार, डॉ नरेंद्र चौधरी, डॉ नत्थी सिंह तोमर, चौ बलवीर सिंह, चौ विनोद कुमार, सोनवीर चौ, समाजसेवी चौ विजय आर्य, हितेंद्र सिंह चौधरी, आरबी चौधरी, वेदपाल सिंह तोमर, चौ पुष्पेंद्र सिंह बघेल, गजेन्द्र सिंह, बीके चौधरी, जगदीश चौधरी, दिलीप कुमार, सूरजमल, पूरन सिंह, दिलीप कुमार,ओंकार सिंह, भगवान सिंह, देवेंद्र कुमार रघुवंशी, चौ कन्हैया सिकरवार, सुभाष चौधरी,दिनेश कुमार फौजी, सूबेदार सिंह, उमेश, चंद्रभान आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

स्मार्ट मीटर में सेंधमारी करने वाले 540 उपभोक्ता चिह्नित

प्रयागराज। बिजली चोरी रोकने के लिए स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, लेकिन बिजली चोरों ने इसका भी तोड़ निकाल लिया है। प्रयागराज में बिजली विभाग की जांच में सामने आया है कि कई उपभोक्ता दिन में मीटर से बिजली का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन रात में उनके मीटर की खपत अचानक बंद हो जाती है। यानी रात में सेटिंग से बिजली का इस्तेमाल किया जा रहा है। बिजली विभाग को हेड ऑफिस से मिली जानकारी के मुताबिक प्रयागराज में 540 उपभोक्ताओं की पहचान की गई है जिनके स्मार्ट मीटर दिन में सामान्य रूप से चलते हैं।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल परिवार ने अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश में मृतकों को दी श्रद्धांजलि

मुजफ्फरनगर। अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश में यात्रियों, क्रू मेंबर, पायलट, को–पायलट और इस हादसे की चपेट में आए स्थानीय लोगों की मृत्यु की सूचना अत्यंत हृदय विदारक है। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल मुजफ्फरनगर परिवार ईश्वर से

दिवंगत आत्माओं की शांति एवं शोक संतृप्त परिवारों को संबल प्रदान करने की कामना करता हैं। इस दुखद घड़ी में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल परिवार पीड़ित परिजनों के साथ पूरी संवेदना और एकजुटता के साथ खडा हैं। मुख्य रूप से वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक अशोक कंसल, प्रवीण खेड़ा, श्याम सिंह सैनी, अजय सिंघल, हिमांशु कौशिक, पंकज इत्यादि शामिल रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस प्रोटोकॉल अभ्यास

प्रतापगढ़। पतंजलि योग समिति भारत स्वाभिमान युवा भारत महिला पतंजलि योग समिति व पतंजलि किसान सेवा समिति प्रतापगढ़ के संयुक्त तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस प्रोटोकाल के लिए योग शिविर शहर के शहीद उद्यान में प्रतिदिन प्रातः 5 बजे से लेकर 7 बजे तक आयोजित किया जा

रहा है। गोविंद जी जिला प्रभारी पतंजलि योग समिति व भूपेंद्र जी जिला प्रभारी भारत स्वाभिमान के कुशल नेतृत्व में दीपक जी युवा भारत संरक्षक के मार्गदर्शन और युजवेन्द्र जी व प्रवीण जी योग प्रशिक्षक के कुशल दिशा निर्देश व प्रशिक्षण में योग साधक शहीद उद्यान में उपस्थित रहकर योग की विभिन्न मुद्राओं का प्रोटोकाल की दृष्टि से अभ्यास कर रहे हैं आज योग शिविर में धीरज जी –संगठन मंत्री अंजनी जी सह कार्यालय प्रभारी राजकुमार जी योग साधक सात्विक जी योग साधक अमित शुक्ल प्रदीप शिवम संकल्प उत्तम शिवकांत राजेश आदि की योगासन एवं प्राणायम अभ्यास शिविर में उपस्थिति रही।

कृषि गोष्ठी मे वैज्ञानिकों ने खरीफ की फसलों की दी जानकारी

मोरना। कृषि विभाग की आत्मा योजनांतर्गत खरीफ गोष्ठी व विकसित कृषि संकल्प अभियान के अंतर्गत ग्राम छछरोली गांव मे कृषि गोष्ठी का आयोजन किया जिसमें कृषि विशेषज्ञयो द्वारा किसानो को खरीफ की फसलों के संबंध मे महत्वपूर्ण उपयोगी जानकारी दी गयी। मोरना ब्लॉक् क्षेत्र के गांव छछरौली मे आयोजित कृषि गोष्ठी मे कृषि वैज्ञानिक डॉ.यशपाल सिंह ने खरीफ की मुख्य फ़सल धान की उन्नत खेती की जानकारी देते

हुए कहा की बुआई के पहले उन्नत बीज का चयन करें तथा खेत की मिट्टी व मौसम के अनुकूल खेत को बुआई के लिए तैयार करें।आधुनिक तकनीक अपना कर अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करें।डॉ. देवेन्द्र कुमार ने कहा की धान उड़द की बुआई के पूर्व खेत को भली प्रकार तैयार कर लें।

खरीफ की फसलों से अधिक लाभ लेने के लिए क्षेत्र के केन्द्र पर जाकर बीज, बुआई आदि की विस्तार से जानकारी कर ले। कुछ किसान भाई गन्ने की बुआई भी करेंगे, गन्ने के फ़सल के मध्य पड़े खाली स्थान मे कोई भी शीघ्र पक जाने वाली फ़सल की बुआई कर अतिरिक्त लाभ लें।कार्यक्रम मे बड़ी संख्या मे किसानो ने भाग लिया व उपस्थित प्रगतिशील किसानो के प्रश्नों का जवाब दिया।इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉ. आरिफ,दीप सिखा तकनिकी अधिकारी मोदीपुरम, सहायक विकास अधिकारी कृषि अंकुल चंद शर्मा,तकनिकी सहायकविक्रांत राठी, तकनीकी सहायक वीरेंदर कुमार, विनय सिंह शोभित कुमार,ठज्ड संदीप कुमार आदि उपस्थित रहे।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या: 25/28 दिनांक: 13.06.2025

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज (आई. एस.ओ. 9001:2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	38252705	ब्रेक हेड पिन फॉर बीएमबीएस	19956 नग	02.07.2025
2	64255146	पवर प्रिंटेड सर्किट बोर्ड	5475 नग	16.07.2025
3	64255155	सेट ऑफ मॉडिफाइड कार्बाइड टैम्पिंग टूल फोर सीएसएम	26 सेट	14.07.2025
4	64255148	टैम्पिंग आर्म बिग/स्मॉल आउट	233 नग	10.07.2025
5	64255139	क्लच, ड्राइव, वैरियबल, कटर, चैन ड्राइव, हाइड्रोलिक पम्प	220 नग	11.07.2025
6	64255133	कैटरपिलर इंजन	02 नग	09.07.2025
7	30253029	स्पीड सेंसर एफएस01	134 नग	22.07.2025

नोटः उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाईट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव/शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र मे कोई अलग से शुद्धि-पत्र/परिवर्तन प्रकाशित नही किया जाएगा। 1029/25(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

साक्षी वेलफेयर ट्रस्ट ने टीबी रोगियों को गोद लेकर बाटी पोषक आहार पोटली व मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया जी को किया सम्मानित

मुजफ्फरनगर।साक्षी वेलफेयर ट्रस्ट की राष्ट्रीय अध्यक्ष क्रांतिकारी शालू सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि टीवी मुक्त भारत अभियान में हमारी पूरी टीम मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉव सुनील तेवतिया जी व भारत सरकार के साथ पूरा सहयोग करेगी साक्षी वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा टीबी रोगियों को पौष्टिक आहार की पोटली वितरित की गई।

इस अवसर पर संस्था की अध्यक्ष क्रांतिकारी शालू सैनी व महासचिव राजू सैनी ने चिकित्साधिकारियों एवं टीबी विभाग के वरिष्ठ स्टाफ को पीतांबर वस्त्र पहनाकर व पर्यावरण को बढ़ावा देते हुए पौधे का गमला भेट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के प्रायोजक ने बताया कि पिछले 5–6 वर्षों से टीबी उन्मूलन को लेकर सरकार विशेष अभियान चला रही है, जिसमें मुजफ्फरनगर अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

साक्षी वेलफेयर ट्रस्ट इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभा रही है। साक्षी वेलफेयर ट्रस्ट अध्यक्ष क्रांतिकारी शालू सैनी ने भरोसा दिलाया कि साक्षी वेलफेयर ट्रस्ट टीबी रोगियों को न केवल पोषण पोटली उपलब्ध करा रही है, बल्कि अन्य सेवा कार्यों में भी निरंतर सक्रिय है। क्रांतिकारी शालू

सैनी ने आम जन से भी अपील की है कि ज्यादा से ज्यादा लोग टीवी मुक्त भारत अभियान से जुड़े ओर सामर्थ्य अनुसार टी वी रोगियों को गोद लेकर पौष्टिक आहार पोटली वितरित करे व टी वी रोगियों का हौसला बढ़ाए टी छुआ छूत की बीमारी नहीं है टी वी रोगियों से सामान्य व्यवहार करे

टीबी रोगियों को समय पर इलाज पूरा करने और बीच में इलाज न रोकने की अपील की

मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्साधिकारी डॉव सुनील तेवतिया जी ने बताया कि राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के निर्देश पर टीबी रोगियों के लिए पोषण पोटली वितरण अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने साक्षी वेलफेयर ट्रस्ट के योगदान के लिए सभी पदाधिकारियों का आभार जताया और जनपद के सक्षम लोगों और संस्थाओं से टीबी रोगियों को गोद लेकर सहयोग करने की अपील की।

उन्होंने यह भी जानकारी दी कि नवंबर 2024 से सरकार द्वारा टीबी मरीजों को इलाज के दौरान 1000 रुपये की धनराशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (क्ठ्ज) के जरिए उनके बैंक खातों में भेजी जा रही है।

कार्यक्रम में साक्षी वेलफेयर ट्रस्ट के सक्रिय पदाधिकारी राजू सैनी मंगलेश प्रजापति एडवोकेट काजल सुधा सुमित सैनी ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

पतंजलि योग समिति के नवीन कार्यालय का राज्य प्रभारी ने किया उद्घाटन

प्रतापगढ़। पतंजलि योग समिति एवं भारत स्वाभिमान न्यास के नवीन कार्यालय का उद्घाटन आदरणीय श्री दुर्गेश योगी जी राज्य प्रभारी पतंजलि योग समिति उत्तर प्रदेश पूर्व द्वारा किया गया उद्घाटन सत्र के समापन के पश्चात राज्य प्रभारी ने सभी संगठनों की सामूहिक बैठक कर आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर होने वाले देशव्यापी कार्यक्रम की तैयारी की समीक्षा की।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में योग करने के लिए योग सप्ताह के अंतर्गत योग शिविर के आयोजन की रणनीति बनी योग शिविर का आयोजन शहर के शहीद उद्यान (कंपनी बाग) में 13 जून से 20 जून तक प्रतिदिन सुबह 5रू00 बजे से 7रू30 बजे तक आयोजित किया जाएगा जिसका प्रदर्शन 21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पुलिस लाइंस प्रतापगढ़ के परेड ग्राउंड पर किया जाएगा।

बैठक की अध्यक्षता महिला पतंजलि योग समिति की पूर्व प्रभारी अनुपमा बहन ने किया संचालन करते हुए पतंजलि योग समिति प्रतापगढ़ के जिला प्रभारी गोविन्द प्रसाद खंडेलवाल जी ने अपने संबोधन में कहा कि योग शिविर में योगियों की सहभागिता करने के लिए संपर्क करने औरअंतर्राष्ट्रीय योग दिवस से संबंधित पत्रक जन–जन तक पहुंचाने का संकल्प लेकर हमारे कार्यकर्ता जन जन तक पहुंचें राज्य प्रभारी की उपस्थिति में संगठन की आंतरिक संरचना में कुछ परिवर्तन करने पर भी रणनीति बनाई गई अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाने के लिए पतंजलि योग समिति भारत स्वाभिमान न्यास के तहसील प्रभारियों ने भी अपने प्रयासों से अवगत कराया कि योग दिवस पर उनकी तहसील शिविरों में क्या भूमिका रहेगी।

गौरवशाली सैनिक संगठन के अध्यक्ष व महामंत्री भी इस बैठक में उपस्थित रहे और पतंजलि योग समिति के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने की बात कही। आज की बैठक में भारत स्वाभिमान के जिला प्रभारी भूपेंद्र सिंह जी पतंजलि योग समिति प्रतापगढ़ के जिला प्रभारी गोविन्द प्रसाद खंडेलवाल प्रवीण जी पूर्व जिला प्रभारी भारत स्वाभिमान श्याम नारायण जी पूर्व जिला प्रभारी भारत अरुन कुमार गुप्त पुष्पराज मिश्र उमेश पांडेअजीत श्रीवास्तव श्याम नारायण सिंह अंजनी कुमार मीत श्रीवास्तव अमित शुक्ल धीरज उपाध्याय ज्ञानेंद्र कुमार गुप्त रमेश कुमार पटेल चंद्र मणि त्रिपाठी धर्मेंद्र दीपक सिंह कृष्ण कुमार पटेल आदि रहे।

''राष्ट्रीय पुस्तक न्यास भारत'' के सौजन्य से नमानी गंगे थीम पर गंगा जागरूकता कार्यक्रम

मुजफ्फरनगर। होली चाइल्ड पब्लिक इन्टर कॉलेज, जडौदा, मुजफ्फरनगर के सभागार में ''राष्ट्रीय पुस्तक न्यास भारत'' के सौजन्य से नमानी गंगे थीम पर गंगा जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत एक पुस्तक मेला, पोस्टर प्रतियोगिता एवं गंगा इतिहास पर कहानी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ क्रेटिव राईटर सिमरन कालसी, प्रोग्राम कॉर्डिनेटर मनीभूषण, सदस्य बाल कल्याण समिति डॉ0 राजीव कुमार, रजनीश कुमार, अमरीश कुमार और प्रधानाचार्य प्रवेन्द्र दहिया द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

पोस्टर प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों अनाया, आकाश, शिवांश, आदित्य, सोनाक्षी, वैष्णवी और अर्शी को अतिथियों द्वारा पुस्तकें देकर पुरस्कृत किया गया। सिमरन कालसी ने अपने उद्‌बोधन में गंगा की महत्वता के बारे में बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय पुस्तक न्यास भारत द्वारा यह पुस्तक मेला गंगा पुस्तक परिक्रमा एवं बाल गतिविधियों पर आधारित है जिसमें बच्चों

की विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे – कहानी सुनाना और पोस्टर बनाना करायी जाती है, क्योंकि गंगा नदी को आदर और स्नेह से माँ कहा जाता है। गंगा नदी ने पृथ्वी के सर्वाधिक उपजाऊ और सघन आबादी वाले क्षेत्र को पोषित कर नदियों के किनारों पर सभ्यता के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

मनी भूषण ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि गंगा जहाँ से होकर जा रही है वही–वही से यह मोबाइल वेन पुस्तक मेले एवं गंगा आधारित गतिविधियां करायी जा रही है। डॉ0 राजीव कुमार ने कहा कि गंगा के साथ–साथ जल भी हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है, हमें गंगा का संरक्षण करना चाहिए और जल भी बचाना चाहिए जो कि आने वाले भविष्य में हमें जल की कमी न रहें।

रजनीश कुमार ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि हमें जल के प्रति जागरूक होना चाहिए और जल का दुरूप्रयोग व जल को प्रदूषित करने से रोकना चाहिए।

इस अवसर पर विद्यालय में कहानी प्रतियोगिता एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें बच्चों ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया।

अन्त में प्रधानाचार्य प्रवेन्द्र दहिया द्वारा सभी अतिथियों को अंगवस्त्र पहनाकर व स्मृति चिह्न देकर सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में कुलदीप कुमार, रामकिशन, संजय, राजकुमार, अजीत सिंह, सतकुमार, सचिन कश्यप आदि उपस्थित रहें।

दिल्ली से शव लेकर सीधे थाने पहुंच गये ग्रामीण, खूब हुआ हंगामा

–मारपीट में घायल टेंपो चालक की दिल्ली उपचार के दौरान मौत

मथुरा। थाना राया क्षेत्र के अंतर्गत बलदेव मार्ग पर एक टेम्पो चालक से तीन नामजदों ने किसी बात को लेकर मारपीट कर दी। चार दिन बाद टेम्पो चालक की दिल्ली में उपचार के दौरान मौत हो गयी। गुस्साए परिजनों व ग्रामीण मृतक के शव को थाना राया ले आये ओर थाना पर हंगामा काटा। हंगामे की सूचना पर कई थानों का फोर्स राया पहुच गया। गांव बना निवासी भूपेंद्र पुत्र जयपाल ग्राम बना राया में टेम्पो चलाता है। परिजनों ने बताया आठ जून को दोपहर किसी बात को लेकर पवन चौधरी की भूपेंद्र से कहासुनी हो गयी। इस दौरान पवन ने कारखाने से अन्य लोगो को बुला लिया और लोहे की सरिया से भूपेंद्र को घायल कर दिया। इस मामले में पुलिस ने विकास, पवन व एक अन्य अज्ञात के खिलाफ थाना राया में हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया। हंगामे की सूचना पर एसपी देहात सुरेशचंद्र रावत क्षेत्राधिकारी महावन संजीव कुमार राय थाना मांट व अन्य थानों का फोर्स राया पहुच गया। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी पवन को गिरफ्तार कर लिया। एसपी देहात ने बताया कि इस मामले की विवेचना क्षेत्राधिकारी महावन संजीव कुमार राय को सोपी गयी है। आरोपियों के खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत कार्यवाही की जाएगी किसी को बख्शा नहीं जायेगा। युवक की मौत से परिजनों में आक्रोश था उनक कहना था कि पुलिस ने तीन दिन तक आरोपियों को गिरफ्तार नही किया अगर समय रहते। आरोपियों को गिरफ्तार किया होता तो ये हंगामा नही होता जिसको लेकर ग्रामीण परिजन थाना परिसर पर एकत्रित होकर आक्रोश व्यक्त करने लगे वही कुछ महिलाओं ने मथुरा अलीगढ़ मार्ग को जाम करने की कोशिश की जिसे पुलिस व स्थानीय लोगो ने समझा कर शांत करा शव को अंतिम संस्कार के लिए गांव भेजा गया जहाँ भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात रही। युवक की मौत के बाद दो घंटे चले हंगामे के बाद स्थानीय लोगों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के समझाने के बाद ग्रामीण व परिजन अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए तब जाकर पुलिस अभिरक्षा में युवक का अंतिम संस्कार किया गया।

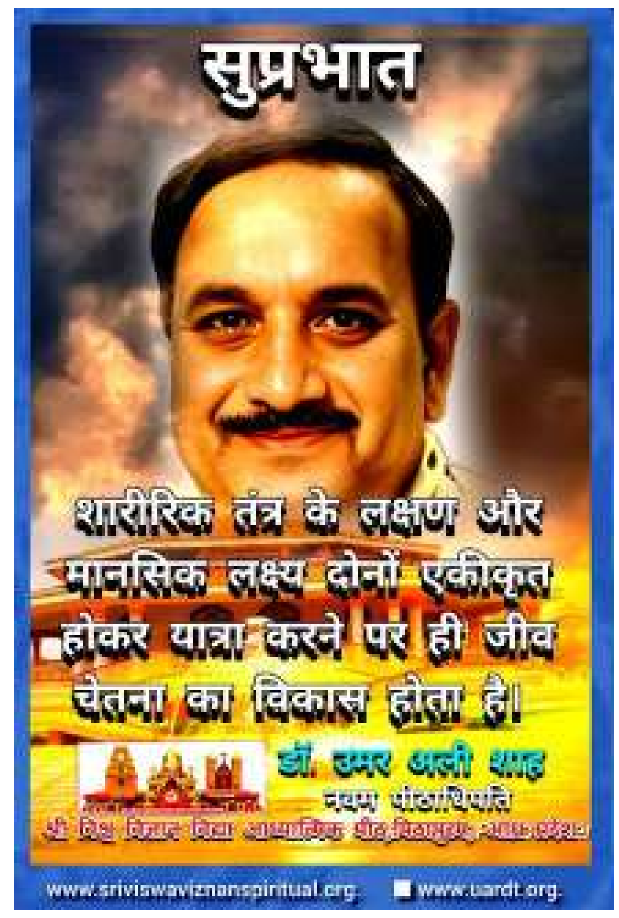

नाम अल्फांसो हापुस

(कुण्डलिया)

सागर की खारी हवा, देती जिसे मिठास।
रत्नागिरी गुलिस्तान के, आम वही हैं ख़ास।
आम वही हैं ख़ास, नाम अल्फांसो हापुस।
अद्भुत स्वाद सुगन्ध,गा रहे हैं सब मानुस।
सुन लो कहें प्रदीप,बताते है सब नागर।
बिकता दूर सुदूर,पार कर सीमा सागर।।

गूदा जिसका नर्म है, रेशे हैं बारीक़।
सबसे अच्छा आम है, स्वाद करें तस्दीक़।
स्वाद करे तस्दीक़, सुनहरा पीला छिलका।
नहीं तौल में बिके, सदा दर्जन में बिकता।
सुन लो कहें प्रदीप, भाव रख हापुस ऊँचा।
खाने में स्वादिस्ट, लगे नारंगी गूदा।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

ऑनर किलिंग का फरार अभियुक्त गिरफ्तार भेजा जेल

मोरना। गांव जडवड मे दस दिन पूर्व ऑनर किलिंग का एक बड़ा मामला उजागर हुआ था। विवाह के बाद बने सम्बन्धो के चलते पिता ने पुत्र तथा अपने एक परिचित के साथ मिलकर पुत्री की गला दबाकर हत्या कर दी थी।तथा शव को जलाकर उसकी शिनाख्त मिटाने का प्रयास किया था। पुलिस ने पिता को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया था। पुलिस ने गुरुवार को घटना मे शामिल तीसरे अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। ककरौली थाना क्षेत्र के गांव जड़वड़ निवासी राजवीर ने अपने पुत्र सुमित और एक अन्य युवक के साथ मिलकर अपनी बेटी सरस्वती की गला दबाकर हत्या कर दी थी।तथा शव को जलाकर जंगल मे फेंक दिया था। सरस्वती की शादी हो चुकी थी,अन्य युवक से संबंध की चर्चा के बीच समाज में बदनामी की आशंका के चलते आरोपियों ने उसकी

हत्या कर दी थी। सरस्वती गुरुग्राम मे एक कम्पनी मे कार्य करती थी। सरस्वती ने गांव स्थित इंटर कॉलिज से ही शिक्षा प्राप्त की थी। बीते तीन जून को सरस्वती का अधजला शव निकटवर्ती गांव कटिया के जंगल मे पड़ा मिला था। उस समय शव की शिनाख्त नहीं हो सकी थी। बाद मे शिनाख्त होने पर पुलिस ने मुख्य आरोपी राजवीर और उसके बेटे सुमित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पूछताछ के दौरान एक तीसरे युवक का नाम सामने आया था, जिसकी तलाश पुलिस कर रही थी। गुरुवार को पुलिस ने तीसरे आरोपी गुरदयाल, निवासी गांव कैल्लनपुर थाना पुरकाजी को बेहड़ा –बिजनौर मार्ग स्थित आश्रम चौराहे से गिरफ्तार कर लिया जेल भेज दिया है।

डीएम, एसएसपी ने किया पागल बाबा विद्युत स्टेशन का निरीक्षण

–नागरिकों के प्रदर्शन के बाद हरकत में आया प्रशासन

–जनता से की अपील व्यर्थ में नहीं प्रयोग करें बिजली

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह व एसएसपी श्लोक कुमार ने पागल बाबा सब स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों से वृंदावन की विद्युत समस्या के कारण जाने। पागल बाबा बिजली घर निरीक्षण के बाद जिलाधिकारी ने बताया कि कल यहां पर वृंदावन के नागरिकों ने विद्युत समस्या को लेकर प्रदर्शन किया था। वे आज यही देखने आए हैं लोगों की समस्या का हल जानने

के लिए यहां आए। ताकि वृंदावन वासियों को गर्मी के मौसम में विद्युत आपूर्ति सही मिले। उन्होंने बताया कि यहां पर अभी तक विद्युत स्टेशन का लोड 30 एमपीए था। आज से यहां पांच पांच एमपीए के दो ट्रांसफार्म विद्युत विभाग ने और लगा दिए हैं ताकि वृंदावन नगर की आपूर्ति का लोड ज्यादा न पड़े। उन्होंने कहा कि आज कल भीषण गर्मी पड़ रही है। ऐसे में आवश्यक हो तभी एसी चलाएं अनावश्यक ऐसी व विद्युत का प्रयोग नहीं करें।

सम्पादकीय.......

गर्मी से मुकाबला

ऐसे वक्त में जब भारत के अनेक हिस्सों में तेज गर्मी से पारा उछल रहा है, तपिश से बचने के लिये बिजली की मांग में अप्रत्याशित वृद्धि स्वाभाविक बात है। आम आदमी से लेकर खास आदमी तक गर्मी की तपिश से बचने के लिये कूलर से लेकर एसी तक का भरपूर इस्तेमाल करता है। हाल के दिनों में घरों, कार्यालयों, होटलों व मॉल तक में एसी का उपयोग बेतहाशा बढ़ा है। जिसके चलते गर्मियों के पीक सीजन में बिजली की खपत चरम पर पहुंच जाती है। ऐसे वक्त में केंद्र सरकार ने एयर कंडीशनर यानी एसी की पहचान बिजली की बढ़ती खपत के लिये जिम्मेदार खलनायक के रूप में की है। केंद्र सरकार योजना बना रही है कि घरों,होटलों व कार्यालयों में बीस डिग्री से अट्ठाइस डिग्री सेल्सियस के बीच इस्तेमाल होने वाले इस उपकरण की कूलिंग रेंज को मानकीकृत किया जाए। नए दिशा–निर्देश लागू होने के बाद एसी निर्माताओं को बीस डिग्री से कम तापमान पर कूलिंग प्रदान करने वाले एसी बनाने से रोक दिया जाएगा। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल खट्टर के अनुसार केंद्र सरकार की यह पहल बिजली बचाने और भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के प्रयासों का हिस्सा है। इस बात में दो राय नहीं कि गर्मियों की तपिश से बचने के लिये लोग अपने एसी को बहुत कम तापमान पर चलाते हैं। इस प्रवृत्ति का बिजली ग्रिड पर दबाव बहुत अधिक बढ़ जाता है। निश्चित रूप से इसके चलते बिजली कटौती की संभावना भी बहुत अधिक बढ़ जाती है। लेकिन इस संकट का अकेला मुख्य समाधान एसी को बेहद कम तापमान पर चलाया जाना ही नहीं है। इसके अलावा अन्य कारक भी हैं। यह भी एक हकीकत है कि सरकारी व निजी कार्यालयों में एसी का उपयोग काफी लंबे समय तक अंधाधुंध ढंग से किया जाता है। यहां इसके उपयोग में किफायत बरतने की दिशा में भी कदम उठाने की जरूरत है।निस्संदेह, ऊर्जा मंत्रालय का ऊर्जा नियामक ब्यूरो, बिजली खपत कम करने वाले उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा देता है। लेकिन जब गर्मी रिकॉर्ड तोड़ती बढ़ रही है तो तापमान बढ़ने पर बिजली की खपत अनिवार्य रूप से बढ़ने लगती है। लेकिन इसका एकमात्र कारण एसी का बढ़ता उपयोग ही नहीं है। हमें खुद से सवाल पूछने की जरूरत है कि हमारे शहर इतने गर्म क्यों हो रहे हैं? हम इस बढ़ते तापमान से नागरिकों को राहत क्यों नहीं दे पा रहे हैं। अंधाधुंधा–अवैज्ञानिक तरीके से हो रहे निर्माण कार्य भी इसमें कम दोषी नहीं हैं। हमने चारों तरफ कंक्रीट के जंगल तो बना दिए लेकिन शहरों में हरियाली का दायरा लगातार सिमटता जा रहा है। जिससे हवा का प्राकृतिक प्रवाह भी बाधित हो रहा है। विकास के नाम पर जो सैकड़ों वर्ष पुराने पेड़ काटे जाते हैं, उसकी क्षतिपूर्ति नये पेड़ लगाकर नहीं की जाती है। हम घरों को प्राकृतिक रूप से ठंडा बनाये रखने वाली भवन निर्माण तकनीक नहीं अपना रहे हैं। यदि उष्मारोधी भवन निर्माण सामग्री को बढ़ावा दिया जाए तो लोगों को कम बिजली खपत से भी राहत मिल सकती है। हमारी जीवनशैली बिजली की खपत को लगातार बढ़ा रही है। यदि हमारे देश में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को बढ़ावा दिया जाए तो सड़कों पर निजी वाहनों का उपयोग कम होने से वाहनों के गर्मी बढ़ाने वाले उत्सर्जन को कम किया जा सकता है। हमें भवन निर्माण में छतों को ठंडा रखने वाली तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। ऐसी सामग्री या सिस्टम का उपयोग किया जाना चाहिए जो पारंपरिक छत की तुलना में ताप बढ़ाने वाली सूरज की रोशनी को परावर्तित कर सके। इन उपायों से हम ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को भी कम करने का प्रयास कर सकते हैं। इसके अलावा शहरी क्षेत्रों में हरियाली को बढ़ाकर और पारंपरिक जल निकायों को पुनर्जीवित करके हम तापमान को कम करने का प्रयास भी कर सकते हैं। सरकार और समाज की साझा जिम्मेदारी एक बड़े बदलाव की वाहक बन सकती है। स्थानीय निकाय, निजी क्षेत्र की संस्थाएं व गैर सरकारी संगठन निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

आपदा में एक और अवसर

डॉ. दीपक पाचपोर

क्या नरेन्द्र मोदी ने अपने पूर्ववर्ती शासकों की बनाई विदेश नीति का त्याग कर कोई नयी विदेश नीति बनाई है, ऐसे कई सवाल हैं, जिनके जवाब की अपेक्षा सरकार से थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अपने आवास पर भारत के आउटरीच कार्यक्रम के लिए कई देशों की यात्रा करने वाले प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से मुलाकात की। फिलहाल यह कहा नहीं जा सकता कि प्रधानमंत्री के साथ प्रतिनिधिमंडलों की यह मुलाकात अनौपचारिक थी या औपचारिक। क्योंकि कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने खुद कहा है कि यह बिल्कुल औपचारिक मुलाकात नहीं थी। हम लोगों ने जो रिपोर्ट प्रधानमंत्री को दी, वो उन्होंने प्रस्तुत भी नहीं की। गौर करने वाली बात यह है कि शशि थरूर ने यह जिक्र खेद के साथ नहीं बल्कि प्रसन्नता के साथ किया।प्रधानमंत्री के आवास पर हुए इस मेलजोल कार्यक्रम का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें श्री मोदी के बगल में शशि थरूर दिखाई दे रहे हैं, कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी भी प्रधानमंत्री से बातचीत करते दिख रहे हैं, वहीं, आनंद शर्मा और सलमान खुर्शीद के साथ श्री मोदी मुस्कुराते हुए मिलते नजर आ रहे हैं। पूर्व कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद के साथ तो ठहाके लगाते तस्वीरें आई हैं। चंद कांग्रेस नेताओं से इस अंदाज में प्रधानमंत्री मोदी क्यों मिल रहे हैं, यह सवाल अब उठने लगे हैं। हो सकता है कि उनकी अन्य दलों के नेताओं से भी इसी तरह हंसी–खुशी भेंटवार्ता हुई हो, लेकिन उनके वीडियो–तस्वीरें इतने वायरल क्यों नहीं किए गए, ये भी सोचने वाली बात है। वैसे सबसे अधिक विचारणीय पहलू तो यह है कि देश के मुखिया को इतने सांसदों के साथ हंसी–ठहाके लगाते, खाते–पीते देखकर पहलगाम पीड़ितों के दिलों पर क्या बीत रही होगी। वे तो अब तक इस इंतजार में थे कि आतंकवादियों को धरती के आखिरी छोर तक जाकर पकड़ कर लाने का ऐलान करने वाले श्री मोदी अपने वादे को पूरा करेंगे। लेकिन डेढ़ महीने बाद पीड़ितों के जख्म तो हरे ही हैं, और ऐसे में सरकारी हंसी–ठट्टा उनके जख्मों पर नमक के समान लग रहा होगा। पाठक जानते हैं कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद 6–7 मई की आधी रात में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर प्रारंभ किया था, जो 10 मई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा युद्ध विराम की सूचना के बाद समाप्त कर दिया गया। हालांकि प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री यह कह चुके हैं कि ऑपरेशन सिंदूर अभी बंद नहीं हुआ है, लेकिन इसके तहत आगे और क्या कार्रवाई हुई, इसकी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से युद्धविराम की सूचना पहले कैसे आई, क्या अमेरिका ने वाकई भारत और पाकिस्तान के संबंधों में दखलंदाजी की है। क्या यह शिमला समझौते का उल्लंघन नहीं है, जिसमें यह करार हुआ था कि दोनों देशों के बीच किसी भी मामले में तीसरे पक्ष को नहीं आने दिया जाएगा। अगर पाकिस्तान ने इसका उल्लंघन किया तो क्या भारत भी उसी रास्ते पर चल रहा है। क्या नरेन्द्र मोदी ने अपने पूर्ववर्ती शासकों की बनाई विदेश नीति का त्याग कर कोई नयी विदेश नीति बनाई है, ऐसे कई सवाल हैं, जिनके जवाब की अपेक्षा सरकार से थी। लेकिन प्रधानमंत्री या विदेश मंत्री ने इस बारे में कुछ नहीं कहा। बल्कि देश को बताया गया कि अब सात प्रतिनिधिमंडल अलग–अलग देशों में जाकर आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख की जानकारी देंगे। ऑपरेशन सिंदूर क्यों करना पड़ा, किस तरह पाकिस्तान की जमीन पर आतंकवादियों को पनाह दी जाती है, इस बारे में दुनिया को आगाह करेंगे। खास बात यह रही कि इन प्रतिनिधिमंडलों में सभी दलों के लोग शामिल थे। सात प्रतिनिधिमंडलों में नेतृत्व की कमान रविशंकर प्रसाद, बैजयंत पांडा, संजय कुमार झा, कनिमोझी करुणानिधि, सुप्रिया सुले, शशि थरूर और श्रीकांत एकनाथ शिंदे को सौंपी गईं। इनके नेतृत्व में 51 नेताओं और 8 राजदूतों ने 33 देशों में जाकर भारत सरकार का पक्ष रखा। एकबारगी देखने पर यह पहल ठीक लगी कि नरेन्द्र मोदी ने पार्टी लाइन से ऊपर उठकर सभी दलों को साथ लेने, बल्कि नेतृत्व करने का अवसर भी दिया। लेकिन गहराई से सोचें तो इसके जरिए श्री मोदी ने एक बड़ा खेल करने की कोशिश की। प्रतिनिधिमंडल को भेजकर वे खुद देश को जवाब देने से बचते रहे। उधर कांग्रेस के ऐसे सांसदों को प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनाया गया जो आसानी से भाजपा के दबाव में आ सकते हैं। इसके प्रमाण भी सामने आ गए। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे भी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे और वे लगभग हर दिन जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी को लेकर झूठी बातें प्रसारित करते रहे। गलत दस्तावेजों को ऐतिहासिक तथ्य बताकर पोस्ट करते रहे, यहां तक कि मंगलवार रात जब प्रधानमंत्री आवास पर सारे लोग मौजूद थे, उस समय भी निशिकांत दुबे ने एक पोस्ट में विदेश नीति का कबाड़ा करने के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। श्री मोदी के भेजे गए कांग्रेस सांसदों में से एक ने भी इसका प्रतिकार नहीं किया, श्री दुबे की आलोचना नहीं की, प्रधानमंत्री के सामने आपत्ति नहीं जताई कि एक तरफ आप सारे दलों को साथ होने की बात कर रहे हैं और आपके सांसद इस तरह गलतबयानी कर रहे हैं। सवाल ये है कि क्या श्री मोदी अब कांग्रेस में फूट डलवाने की कोशिश में हैं। पिछले 11 सालों की उनकी उपलब्धियों में एक खास बात तो यह भी है कि उन्होंने कई कांग्रेस दिग्गजों को भाजपा में शामिल करवा लिया है। अब मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी को सोचना होगा कि लंगड़े और बारात के घोड़ों को वे कैसे अलग करें। रहा सवाल आउटरीच कार्यक्रम का, तो उसकी सार्थकता तब होती जब पाकिस्तान विश्व में अलग–थलग दिखाई देता। फिलहाल ऐसा कुछ नजर नहीं आ रहा है।

सोनम के बहाने स्त्री अधिकारों को कुचलने की कोशिश

सर्वमित्रा सुरजन

इंदौर के हनीमून केस पर सोशल मीडिया में एक भयावह टिप्पणी पढ़ने मिली। लिखा था कि औरत को आजादी देने का अंजाम देख लिया। अब समझ में आया कि पहले औरतों पर अंकुश लगाकर क्यों रखा जाता था। दरअसल यह उसी मनुवादी सोच से निकला विचार है जिसमें औरत को पहले पिता, फिर पति और बाद में बेटे के आश्रित रखा जाता है। महिला का अपना स्वतंत्र अस्तित्व न हो, यह बात पुरुष सत्तात्मक समाज के लिए एकदम उपयुक्त रहती है। क्योंकि जहां स्वतंत्रता रहेगी, वहां अपनी जिम्मेदारी खुद लेने का जज्बा भी दिखाया जाएगा, साथ ही अपने लिए अधिकार भी मांगे जाएंगे। यह सारी बातें अधिकतर पुरुषों के लिए दुस्वप्न है कि उनके सामने महिला इस तरह की बराबरी दिखाए। समाज में इसी बात को सामान्य मान लिया गया है कि पुरुष स्त्री का सम्मान तो करे, लेकिन अपने से निचले पायदान पर रखकर। अगर स्त्री को बराबरी पर रखा जाएगा तो फिर वह और आगे निकलने की ख्वाहिश रखेगी, ये डर पितृसत्तात्मक समाज की संरचना में गूंथ दिया गया है। यही डर हनीमून केस में बढ़ा–चढ़ाकर दिखाया जा रहा है। इंदौर के नवविवाहित जोड़े राजा और सोनम रघुवंशी का मामला पिछले कुछ दिनों से लगातार सुर्खियों में है। पहले इस जोड़े के मेघालय में लापता होने की खबर मिली। पुलिस ने जांच की तो एक घाटी में राजा का शव मिला, जबकि सोनम की कोई खबर नहीं थी। लेकिन फिर अचानक सोनम उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के एक ढाबे में आधी रात को पहुंची और फिर वहीं से फोन पर अपने परिजनों से बात की। पुलिस ने सोनम को हिरासत में लिया, क्योंकि उसे शक था कि सोनम ने ही राजा की हत्या करवाई है। मेघालय पुलिस ने पूरी जांच की और इस निष्कर्ष पर पहुंची कि यह प्रेम त्रिकोण का मामला था। ऐसा नहीं है कि इस देश में प्रेम त्रिकोण के मामले पहले हुए ही नहीं, या उनमें हत्या जैसा अतिरेक भरा कदम नहीं उठाया गया हो। लेकिन अक्सर इनमें स्त्री पीड़ित रहती थी, उसे मारा जाता था, तो इसमें समाज को कुछ असामान्य नहीं लगा। अब बीते कुछ समय से लगातार ऐसी खबरें आ रही हैं कि पत्नी ने पति की हत्या करवाई है, जिन्हें समाज अब अपने लिए बड़ी चेतावनी की तरह देख रहा है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के डेटा और विभिन्न राज्य क्राइम रिपोर्ट्स के अनुसार, पिछले पांच सालों में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और बिहार जैसे पांच राज्यों में कुल 785 ऐसी घटनाएं दर्ज की गई हैं, जहां पत्नियों ने अपने पतियों की हत्या की या हत्या करवाई है। हालांकि कितने पतियों ने इसी तरह अपनी पत्नियों का कत्ल किया या करवाया होगा, इसके आंकड़े नहीं हैं। दहेज हत्याओं के आंकड़े जरूर दर्ज किए जाते हैं। वर्ष 2017 से 2021 के बीच ही देशभर में 35,493 महिलाओं की मौत दहेज हत्या के कारण हुई, यानी हर दिन कम से कम 20 वधुएं मारी गई हैं। दहेज हत्या में उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और राजस्थान देश में अग्रणी रहे हैं। कायदे से जितनी चिंता 785 मौतों पर की जा रही है, उतनी ही 35 हजार मौतों पर भी होनी चाहिए। लेकिन समाज यहां भी भेदभाव का नजरिया रखता है। मरने वाली स्त्रियां हैं, तो यह दुखद है, सामाजिक समस्या भी है, लेकिन चेतावनी की बात नहीं है। लेकिन मरने वाले पुरुष हैं तो फिर सारा सामाजिक विमर्श ही बदल जाता है। असल में वैवाहिक संबंध की यह परिणति पूरे समाज के लिए चिंता की बात होनी चाहिए। समाजशास्त्रियों को अब विवाह संस्था पर नए सिरे से अध्ययन की जरूरत है कि आखिर इसमें कहां चूक हो रही है कि एक पक्ष इस सीमा तक पहुंच जाए कि अपने जीवनसाथी की हत्या कर दे। सोनम रघुवंशी पर आरोप अभी सिद्ध नहीं हुआ है, इससे पहले कुछ प्रकरण ऐसे सामने आए हैं, जिनमें महिलाओं ने अपने पुरुष साथी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। जाहिर है ये जघन्य अपराध है और उसे इसी नजरिए से देखा जाना चाहिए। हत्या की जो सजा पुरुष के लिए होती है, वही स्त्री के लिए भी होती है। मगर जिन मामलों में महिलाएं दोषी होती हैं, उसके लिए पूरे स्त्री समाज को जिम्मेदार ठहराना क्या उचित है। लेकिन ऐसा लगता है मानो स्त्रियों को फिर से बंधन में डालने के लिए मौकों को तलाशा जा रहा है। हनीमून केस या नीले ड्रम में पति की लाश जैसे प्रकरण इन मौकों को बना रहे हैं। यहां गौर करने वाला एक पहलू यह है कि जो इंसान पेशेवर अपराधी नहीं होते, वे किस तरह इतने भयावह योजनाबद्ध तरीकों से ऐसी हत्याओं को अंजाम देते हैं, इसके पीछे कौन से मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कारण हैं, इनकी भी पड़ताल होनी चाहिए। लेकिन अफसोस है कि इन घटनाओं को केवल स्त्री बनाम पुरुष के खांचे में फिट कर देखा जाता है। सोनम रघुवंशी मामले में मीडिया की भूमिका पर भी विचार होना चाहिए। पहले अपराध कथाएं मनोहर कहानियों जैसी पत्रिकाओं में प्रकाशित होती थीं और घरों पर अमूमन उन्हें बच्चों से दूर रखा जाता था कि ऐसी बातों का बुरा असर उनके नाजुक मन पर पड़ता है। लेकिन अब मुख्यधारा और सोशल दोनों तरह के मीडिया में यही प्रकरण छाया हुआ है। मुख्यधारा के मीडिया में अपराध की खबरों के लिए अलग बुलेटिन होता है, लेकिन जब देश–समाज के अन्य जरूरी मुद्दों से ध्यान भटकाना हो तो ऐसी खबरें चटखारों के साथ प्रस्तुत करना फायदेमंद होता है। मीडिया के माइक्स शिलांग के जिस गेस्ट हाउस में सोनम–राजा रघुवंशी ठहरे थे, वहां से लेकर सोनम के कथित मित्र राज कुशवाहा के घर तक ठूंसे जा चुके हैं। एक वीडियो आया है जिसमें राज कुशवाहा की मां अपील कर रही है कि पत्रकार उनके घर के भीतर इस तरह न आएं, लेकिन टीआरपी के गिद्धों की दृष्टि अपने शिकार पर लगी हुई है। इसी मीडिया ने सोनम को पुलिस के कहने के पहले ही अपराधी साबित करने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी थी। जब राजा रघुवंशी की मां कह रही थी कि जांच पूरी होने दी जाए, हमें नहीं लगता कि सोनम ने ऐसा कुछ किया होगा, तब भी मीडिया सोनम को अपराधी बना चुका था। मीडिया ट्रायल का यह सिलसिला देश में लगातार जारी है और इस पर कोई अंकुश नहीं लग रहा यह चिंता की बात है। उधर सोशल मीडिया पर चटखारों के साथ इस प्रकरण पर रील्स, मीम्स न जाने क्या–क्या परोसा जा रहा है। कोई सलमान खान का उदाहरण दे रहा है कि इसलिए भाई अकेले रहते हैं, कोई हम दिल दे चुके सनम के दृश्य दिखा रहा है। एक गंभीर घटना पर ऐसा ओछा रवैया दिखा रहा है कि समाज से संवेदनशीलता कितनी तेजी से खत्म होती जा रही है। खुद राजा रघुवंशी की बहन, जो कि सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर कही जाती है, उसने राजा की शादी की तैयारियों के कई वीडियो और रील्स पोस्ट किए, साथ ही उसके साथ पार्श्व में संगीत देकर अपने दिवंगत भाई को याद किया। एक बहन ने अपने भाई को असमय खोया है, यह बड़ा दुख है, लेकिन क्या इस मौके पर भी सोशल मीडिया को जरिया बनाकर भावानएं प्रकट की जानी चाहिए, यह सोचने वाली बात है। तमाम सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स स्त्री स्वतंत्रता को लेकर की गई भद्दी टिप्पणियों से भरे हुए हैं, जिन्हें देखकर चिंता होती है कि स्त्री अधिकारों के लिए जो अथक संघर्ष किया गया है, कहीं इन घटनाओं की आड़ लेकर उसे खारिज न किया जाए। आखिरी बात, सोनम से मिलकर लौटे उसके भाई गोविंद ने राजा की मां से गले लगकर दुख प्रकट किया और पूरे परिवार से माफी मांगते हुए कहा कि उनकी बहन ने गलत किया है, मगर मैं अब से आपके परिवार का हिस्सा हूं। राजा की मां ने भी कहा है कि इसमें गोविंद की कोई गलती नहीं है। अमूमन ऐसे प्रकरण के बाद दो परिवारों में आजीवन कड़वाहट कायम हो जाती है।

प्रधानमंत्री का निर्देश और रियल एस्टेट में पारदर्शिता की आवश्यकता

अरुण कुमार डनायक

प्रधानमंत्री मोदी जी ने हाल ही में हुई श्प्रगतिश (प्रो–एक्टिव गवर्नेंस एंड टाईमली इम्प्लीमेनटेशन) बैठक में भू–संपदा (विनियमन और विकास) अधिनियम (रेरा)के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि अधिनियम का सख्त अनुपालन परियोजनाओं की गुणवत्ता, समय पर डिलीवरी और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। उन्होंने सभी राज्य सरकारों से आग्रह किया कि वे रेरा के तहत सभी रियल एस्टेट परियोजनाओं का अनिवार्य पंजीकरण करें और उपभोक्ता शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें। भारत में घर केवल एक संपत्ति नहीं, बल्कि सुरक्षा, सम्मान और स्थायित्व का प्रतीक होता हैकृहर मध्यमवर्गीय परिवार का सबसे बड़ा सपना। लेकिन आज यह सपना रियल एस्टेट की उलझनों में फंसा हुआ है। अधूरी परियोजनाएं, कब्जे में देरी और लगातार बढ़ती शिकायतें लाखों गृह–क्रेताओं की नियति बन चुकी हैं। समय पर निर्माण न होने से न सिर्फ लागत बढ़ती है, बल्कि उपभोक्ता दोहरी मार झेलते हैंकृकिराए और होम लोन की। श्प्रगतिश जैसे उच्च–स्तरीय ई–गवर्नेंस मंच पर इस मुद्दे का उभरना रियल एस्टेट क्षेत्र में व्याप्त गंभीर समस्याओं को रेखांकित करता है। 2016 में लागू रेरा का उद्देश्य रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता, बिल्डरों की जवाबदेही और उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करना है। परंतु व्यवहार में रेरा अनेक चुनौतियों से घिरा हैकृसीमित अधिकार, जटिल अपील प्रक्रियाएं, सेवानिवृत नौकरशाहों की नियुक्ति, पेशेवर हितसाधकों एवं व्यवसाय विशेषज्ञों की कमी और राजनीतिक हस्तक्षेप इसके प्रभाव को कमजोर करते हैं। बिल्डरों को असंवेदनशील नौकरशाही की प्रशासनिक बाधाओं, जटिल अनुमोदन प्रणाली, पक्षपातपूर्ण निर्णय और वित्तीय संकट का सामना करना पड़ रहा है, जिससे परियोजनाएं लटक रही हैं। परिणामस्वरूप, रेरा के तहत पंजीकृत परियोजनाएं कम हैं, लेकिन शिकायतें अधिक, जो इसके कमजोर क्रियान्वयन को उजागर करता है। सराहनीय उद्देश्य के बावजूद रेरा की क्रियान्वयन क्षमता सीमित है। रेरा अधिकारियों के पास सीमित दंडात्मक शक्ति तो है, लेकिन उनकी सिफारिशों को लागू कराने का कोई ठोस तंत्र नहीं है। राज्य सरकारों द्वारा रेरा को गंभीरता से लागू न करने के कारण यह कानून निष्प्रभावी हो गया है। आदेशों की अवहेलना होने पर उपभोक्ता को वर्षों की कानूनी प्रक्रिया के लिए न्यायालय जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं रहता, और कई बार रेरा के वरिष्ठ अधिकारी ही आवंटियों को हाईकोर्ट जाने की सलाह देते हैं। रेरा, बिल्डर का पंजीकरण रद्द होने की स्थिति में, आवंटितियों को संगठित करउनकी संस्था द्वारा शेष निर्माण कार्य पूरा करने की अनुमति दे सकता है। व्यावहारिक रूप से बिल्डर के सहयोग के बिना अनुभवहीन आवंटियों के लिए पंजीकृत संस्था बनाना और मार्टगेज भूसंपत्ति का पंजीकरण कराना कठिन होता है।यह प्रक्रिया प्रायरू लालफीताशाही की जटिलताओं में उलझकर रह जाती है। रेरा अक्सर अधूरे निर्माण कार्यों को बिना लाभ के पूर्ण करने का दायित्व राज्यों के अर्ध–शासकीय निकायों, जैसे गृह निर्माण मंडल, को सौंपता है। ये निकाय प्रायरू रेरा के आदेशों का पालन नहीं करते, और शासन स्तर पर भी कोई प्रभावी हस्तक्षेप नहीं होता। रेरा अक्सर आवंटियों के पक्ष में निर्णय देता है, लेकिन बिल्डर से राशि वसूलने में गृह खरीदारों को प्रशासनिक सहायता नहीं मिलती। क्रेता जिलाधिकारी कार्यालय में रिकवरी रेवेन्यू सर्टिफिकेट दाखिल कर वसूली शुरू कर सकता है, लेकिन यह प्रक्रिया बेहद धीमी और अप्रभावी है। जब सरकार स्वयं कर वसूली में असमर्थ है, तो नागरिकों के अधिकारों की रक्षा ईश्वर के भरोसे ही रह जाती है। रेरा में पदस्थ पूर्व नौकरशाह भी क्रेताओं के हित में जिला प्रशासन पर अपने प्रशासनिक रसूख का उपयोग कर वसूली हेतु दबाव नहीं बनाते। रेरा के प्रावधानों में एक महत्वपूर्ण विसंगति यह है कि अपीलीय अधिकरण द्वारा दिया गया निर्णय सिविल न्यायालय की डिक्री की तरह निष्पादनीय होता है, लेकिन रेरा में नियुक्त न्यायनिर्णायक अधिकारी को यह अधिकार प्राप्त नहीं है कि वह परिवाद की सुनवाई के बाद सिविल न्यायालय के समकक्ष निर्णय दे सके। यह विसंगति रेरा की प्रथम स्तर की कार्यवाही की प्रभावशीलता को सीमित करती है और आवंटितियों को त्वरित न्याय प्राप्त करने में बाधा उत्पन्न करती है। रेरा को बिल्डर, आबंटी या रियल एस्टेट एजेंट से आवश्यक जानकारी मांगने और जांच करने का अधिकार है। जांच के बाद, यह दीवानी आदेश जारी कर सकता है, लेकिन आपराधिक कार्रवाई शुरू नहीं कर सकता ।धोखाधड़ी के मामलों में पुलिस केस दर्ज करने के लिए आबंटियों को स्वतंत्र रूप से भारतीय न्याय संहिता के तहत कार्रवाई करनी पड़ती है। प्रधानमंत्री का रियल एस्टेट क्षेत्र में हस्तक्षेप सुधारों की दिशा में प्रेरणादायक और सकारात्मक कदम है। यह हस्तक्षेप रेरा के प्रभावी क्रियान्वयन, बिल्डरों की जवाबदेही सुनिश्चित करने, शिकायतों के त्वरित समाधान और गृह खरीदारों के लिए समयबद्ध मुआवजा प्रदान करने की दिशा में आशा जगाता है। फिर भी, प्रशासनिक देरी, जटिल मंजूरी प्रक्रियाओं, और आपराधिक कार्रवाई की सीमाओं जैसे मुद्दों को दूर करने के लिए और अधिक समन्वित प्रयासों की जरूरत है। यह कदम एक महत्वपूर्ण शुरुआत है, लेकिनअभी लंबा सफर तय करना बाकी है। रेरा को सख्ती से लागू करने का केंद्र का निर्देश उपभोक्ता–हितैषी मंशा को दर्शाता है, लेकिन अब राज्यों की जिम्मेदारी है कि वे स्थानीय विकास प्राधिकरणों की जवाबदेही सुनिश्चित करें और निगरानी व्यवस्था को मजबूत करें। यदि घर को भरोसे से जोड़ना है, तो कानून, प्रशासन और निजी क्षेत्र को मिलकर उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा करनी होगी कृ यही विश्वास इस क्षेत्र की असली बुनियाद बनेगा। उपभोक्ताओं का विश्वास और बिल्डरों की ईमानदारी साथ मिलकर ही एक जवाबदेह और न्यायपूर्ण आवास व्यवस्था की नींव रखी जा सकती है। रेरा को बिल्डरों के खिलाफ कठोर कदम, जैसे दंडात्मक कार्रवाई, जुर्माना, बैंक खातों पर रोक, या पंजीयन रद्द करना, अंतिम उपाय के रूप में अपनाना चाहिए। इसके बजाय,पहले चरण में सुधारात्मक और नियामक उपायों पर ध्यान देना अधिक प्रभावी होगा। रेरा को बिल्डरों और क्रेताओं के बीच गांधीजी के अहिंसक, मध्यस्थता, और आपसी सुलह आधारित दृष्टिकोण अपनाकर रियल एस्टेट क्षेत्र में निष्पक्षता, पारदर्शिता, और विकास को बढ़ावा देना चाहिए। यह क्रेताओं के हितों की रक्षा के साथ–साथ क्षेत्र के समग्र विकास को प्रोत्साहित करेगा। सौहार्दपूर्ण समाधान और विश्वास बढ़ाने के लिए रेरा को चाहिए कि वह भू संपदा विशेषज्ञों के साथ समयबद्ध मध्यस्थता सत्र आयोजित करे, बिल्डरों को सुधार का अवसर दे, आपसी सहमति पर आधारित पंचायत–शैली के फैसलों से विवाद सुलझाए, और क्रेताओं व बिल्डरों के लिए रेरा नियमों हेतु जागरूकता कार्यक्रम चलाए।

(लेखक गांधी विचारों के अध्येता व समाज सेवी हैं)

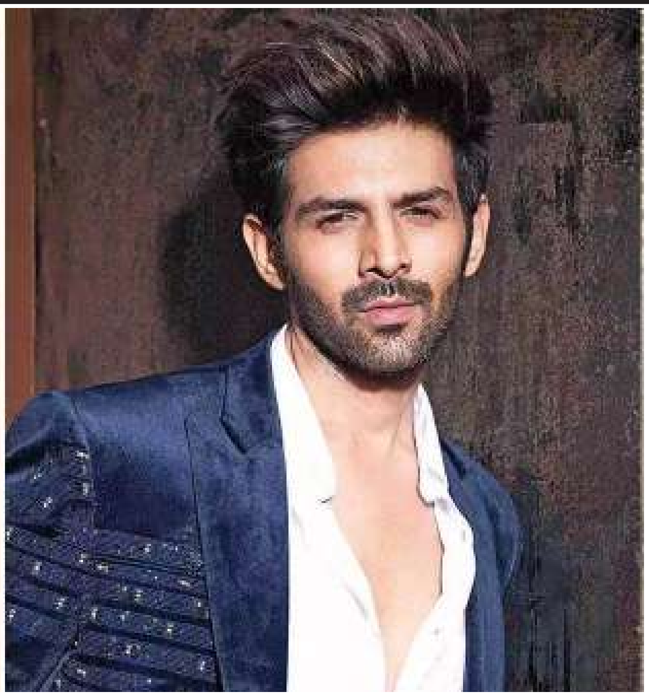

न्यूयॉर्क इंडी फिल्म फेस्टिवल में भारत का जलवा, कार्तिक आर्यन-कैटरीना समेत इन फिल्मों को मिला सम्मान

विश्व स्तर पर स्वतंत्र सिनेमा के लिए प्रतिष्ठित मंचों में से एक, न्यूयॉर्क का इंडी फिल्म फेस्टिवल सशक्त, कलात्मक और सांस्कृतिक रूप से जुड़ी कहानियों को प्रमुखता से प्रस्तुत करने के लिए जाना जाता है। इस वर्ष भारतीय सिनेमा ने वैश्विक मंच पर अपना दबदबा स्थापित किया, जिसमें प्रमुख श्रेणियों में कई पुरस्कार विजेता शामिल हैं, जिनमें चंदू चौंपियन, बिन्नी एंड फैमिली, फिल्म निर्माता सिद्धार्थ आनंद, कार्तिक आर्यन और कैटरीना कैफ जैसे प्रमुख नामों ने प्रमुख श्रेणियों में पुरस्कार जीतकर भारत का परचम लहराया। कार्तिक आर्यन ने चंदू चौंपियन में अपनी परिवर्तनकारी भूमिका के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता, यह फिल्म सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार भी जीतने में सफल रही। कैटरीना कैफ को मैरी क्रिसमस में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला। महावीर जैन फिल्म्स द्वारा निर्मित बिन्नी एंड फैमिली को सर्वश्रेष्ठ पारिवारिक फिल्म का सम्मान मिला। यह एक संवेदनशील पारिवारिक ड्रामा है, जिसमें परंपरा, प्रेम और परिवर्तन के बीच एक आधुनिक भारतीय परिवार की यात्रा को दर्शाया गया है। इस फिल्म की मुख्य भूमिका निभाने वाली नवोदित अभिनेत्री अंजिनी धवन को सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेत्री का पुरस्कार मिला। उन्होंने शबिन्नीश के किरदार को एक भावनात्मक गहराई और सादगी के साथ निभाया। फिल्म निर्माता सिद्धार्थ आनंद को उनकी हाई–ऑक्टेन फिल्म फ्फाइटरश के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार मिला, जिसे दर्शकों और आलोचकों ने समान रूप से सराहा। लेकिन सुर्खियाँ बटोरने वाले सिर्फ ये नाम ही नहीं थे। इस महोत्सव में कई अन्य भारतीय फिल्मों, अभिनेताओं और फिल्म निर्माताओं को भी सम्मानित किया गया, जिससे समकालीन भारतीय सिनेमा की विविधता, गहराई और वैश्विक पहुंच को रेखांकित किया गया। महावीर जैन, एकता कपूर और शशांक खेतान के सहयोग से निर्मित, बिन्नी एंड फैमिली एक आधुनिक भारतीय परिवार की कहानी है, जो प्रेम, परंपरा और बदलाव के बीच जूझती भावनाओं को खूबसूरती से दर्शाया गया है। इसके केंद्र में बिंदिया "बिन्नी" सिंह है, जिसका किरदार नवोदित अंजिनी धवन ने निभाया है, अपने शांत संवेदनशीलता और सशक्त अभिनय के लिए खूब प्रशंसा बटोरी। न्यूयॉर्क का इंडी फिल्म फेस्टिवल लगातार सिनेमा की साहसिक और नई आवाजों के लिए एक वैश्विक मंच रहा है। इस वर्ष भारतीय फिल्मों की शानदार सफलता चंदू चौंपियन, बिन्नी एंड फैमिली, मैरी क्रिसमस, निर्देशक सिद्धार्थ आनंद और अन्य के जरिए इस बात का प्रमाण है कि वैश्विक स्वतंत्र सिनेमा में भारत की भूमिका लगातार मजबूत होती जा रही है।

> ❝ कैटरीना कैफ को मैरी क्रिसमस में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला। महावीर जैन फिल्म्स द्वारा निर्मित बिन्नी एंड फैमिली को सर्वश्रेष्ठ पारिवारिक फिल्म का सम्मान मिला। यह एक संवेदनशील पारिवारिक ड्रामा है, जिसमें परंपरा, प्रेम और परिवर्तन के बीच एक आधुनिक भारतीय परिवार की यात्रा को दर्शाया गया है।

अहमदाबाद प्लेन क्रेश हादसे पर परिणीति चोपड़ा ने व्यक्त किया दुख, जाह्नवी कपूर ने की पीड़ित परिवारों के लिए प्रार्थना

गुजरात की राजधानी अहमदाबाद के पास स्थित मेघाणी क्षेत्र में आज एक भीषण विमान हादसे ने पूरे देश को झकझोर दिया है। 242 यात्रियों से भरी एयर इंडिया की एक फ्लाइट टेकऑफ के कुछ देर बाद ही क्रैश हो गई। यह हादसा अहमदाबाद एयरपोर्ट के बेहद करीब हुआ और इसके चलते पूरे इलाके में अफरा–तफरी मच गई। घटना के बाद से देशभर में शोक और स्तब्धता का माहौल है। आम लोगों के साथ–साथ बॉलीवुड सितारों ने भी इस दुखद घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है और पीड़ितों व उनके परिवारों के लिए प्रार्थनाएं की हैं। एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा ने विमान हादसे पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, एयर इंडिया विमान हादसे के बाद परिवारों के दुख की कल्पना करना भी बहुत मुश्किल है। ईश्वर से प्रार्थना है कि सभी को ताकत और हिम्मत दें। वहीं, जाह्नवी कपूर ने लिखा, अहमदाबाद से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद एयर इंडिया की फ्लाइट के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर सुनकर मैं स्तब्ध हूं। ऐसी त्रासदियों का दुख शब्दों में बयां करना असंभव है। यात्रियों, चालक दल और हर प्रभावित परिवार के लिए दिल से प्रार्थना कर रही हूं।

खुला आसमां और समुंदरी वादियों के बीच चली शिल्पा शेट्टी के हुस्न की हवा

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी 50 साल की हो गई हैं, लेकिन उनकी खूबसूरती और स्टाइल में कोई ज्यादा अंतर नहीं आया है। 50 की होकर भी शिल्पा अपने लुक से 25 की एक्ट्रेसेस को टक्कर देती हैं। अब हाल ही में उनकी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें सामने आई हैं, जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं। सफेद रंग के स्टाइलिश आउटफिट में शिल्पा की खूबसूरती और आत्मविश्वास देखते ही बनता है। शिल्पा ने अपने इस लुक में एक व्हाइट ब्रालेट और हाई–वेस्ट स्कर्ट पहनी है। हालांकि, आउटफिट का डिजाइन और फिटिंग इस लुक को साधारण से हटकर बना रहा है। उनकी स्कर्ट न सिर्फ हाई–वेस्ट है बल्कि बॉडी–हगिंग फिट में है, जिससे उनका टोन्ड फिगर और भी हाइलाइट हो रहा है। स्कर्ट के निचले हिस्से में जो फ्रिंज डिटेलिंग जोड़ी गई है, उसने पूरे लुक में एक अलग मूवमेंट और ग्लैमर एड किया है। शिल्पा ने इस आउटफिट को एक व्हाइट स्कार्फ के साथ स्टाइल किया है, जिसे उन्होंने हाथ और गर्दन दोनों जगह स्टाइलिश ढंग से कैरी किया। स्कार्फ के सिरों पर लगी फ्रिंज एम्बेलिशमेंट इस लुक को और भी खास बना रही है। अपने इस लुक को कंप्लीट करने के लिए शिल्पा ने गोल्डन और सिल्वर फिनिश के बैंगल्स और एक फ्लावर व हार्ट शेप पेंडेंट वाली चेन पहनी है।

रकुल प्रीत सिंह ने सोशल मीडिया पर शेयर किया पर्यावरण से जुड़ने का तरीका

बॉलीवुड अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने अपने वेलनेस रूटीन से एक शांत पल को सोशल मीडिया पर शेयर किया। उन्होंने एक बगीचे में नंगे पैर चलते हुए खुद का एक वीडियो पोस्ट किया। ग्राउंडिंग की प्रथा को बढ़ावा देते हुए, उन्होंने सभी को प्रकृति से फिर से जुड़ने और सप्ताह में कम से कम एक बार इससे होने वाले लाभों का अनुभव करने के लिए प्रोत्साहित किया। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर, थैंक गॉड अभिनेत्री ने एक हरे–भरे बगीचे में नंगे पैर चलते हुए खुद का एक शांत वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने फैंस से भी ऐसा करने के लिए कहा। कैप्शन में, अभिनेत्री ने अभ्यास के लाभों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने लिखा, ग्राउंडिंग या नंगे पैर चलने के कई फायदे हैं। कोशिश करें और ऐसा करने के लिए अपने लिए एक बगीचा खोजें। सप्ताह में कम से कम एक बार प्रकृति से जुड़ें। रकुल प्रीत सिंह ने हाल ही में अपनी एक पोस्ट में ग्राउंडिंग की प्रथा को बढ़ावा देते हुए नजर आ रही हैं, जिसमें वह बाग में नंगे पैर चलती हुई नजर आ रही हैं। विश्व पर्यावरण दिवस पर, रकुल ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की और लोगों से पर्यावरण को बचाने के लिए सक्रिय कदम उठाने का आग्रह किया। उन्होंने लिखा, पर्यावरण वह जगह है जहां हम सभी मिलते हैंय जहां हमारी साझा दिलचस्पी है। बस जश्न मनाने से कुछ नहीं होगा – कार्य करें। पौधे लगाएं। रीसाइकिल करें। सुरक्षा करें, वीडियो में, रनवे 34 की अभिनेत्री ने कहा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि जब ग्रह हमें वह सब कुछ देता है जो हमें एक महान जीवन जीने के लिए चाहिए, तो आपको इसे समाज को वापस देना होगा। यह न्यूनतम है जो आप कर सकते हैं। वर्क फ्रंट की बात करें, 34 वर्षीय अभिनेत्री अगली बार आगामी रोमांटिक कॉमेडी दे दे प्यार दे–2 में दिखाई देंगी, जो 2019 की बॉक्स ऑफिस हिट का सीक्वल है। वह एक बार फिर आयशा खुराना की भूमिका में नजर आएंगी, जिसमें अजय देवगन भी अपने किरदार आशीष मेहरा को दोहराएंगे। आर. माधवन देव खुराना, आयशा के पिता के किरदार में नजर आएंगे। निर्देशक अंशुल शर्मा द्वारा निर्देशित इस सीक्वल में तब्बू, जिमी शेरगिल, आलोक नाथ और इनायत सूद जैसे जाने–पहचाने चेहरे वापस आ रहे हैं।

करिश्मा कपूर से तलाक के बाद प्रिया सचदेव से रचाई थी संजय कपूर ने शादी, अब हजारों करोड़ की सम्पत्ति की होंगी वारिस

करिश्मा और संजय ने 2003 में शादी की थी। हालांकि, उनके रिश्ते में जल्द ही खटास आ गई, जिसके कारण 2014 में दोनों के बीच विवाद हुआ और 2016 में तलाक हो गया। पूर्व जोड़े के दो बच्चे हैं – बेटी समायरा और बेटा कियान। संजय कपूर ऑटो कंपोनेंट की दिग्गज कंपनी सोना कॉमस्टार के चेयरमैन थे। संजय की मौत की खबर के बाद, करीना कपूर खान और सैफ अली खान को करिश्मा कपूर के घर जाकर उन्हें सांत्वना देते देखा गया। करीबी दोस्त मलाइका अरोड़ा और अमृता अरोड़ा भी अपने परिवार के साथ उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

अभिनेत्री करिश्मा कपूर के पूर्व पति और उद्योगपति संजय कपूर का 12 जून को इंग्लैंड में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 53 वर्ष के थे। सूत्रों ने इंडिया टुडे को बताया कि पोलो खेलते समय उन्हें दिल का दौरा पड़ा। अपनी मृत्यु के समय संजय उद्यमी प्रिया सचदेव से विवाहित थे। पूर्व मॉडल से व्यवसायी बनी प्रिया ने करिश्मा कपूर से तलाक के लगभग एक साल बाद 2017 में संजय से शादी की थी। वह प्रसिद्ध कार डीलर अशोक सचदेव की बेटी हैं और पहले उनकी शादी अमेरिकी होटल व्यवसायी विक्रम चटवाल घ्से हुई थी, जिनसे उनकी एक बेटी है।

प्रिया और संजय ने दिसंबर 2018 में अपने बेटे अजारिया का स्वागत किया। एक गर्मजोशी भरे, मिश्रित पारिवारिक माहौल को बनाए रखने के लिए जानी जाने वाली, वह अक्सर संजय के पिछले विवाह से हुए बच्चों और अपने बच्चों के साथ विशेष अवसरों का जश्न मनाती थीं।

स्क्रीन पर, प्रिया सचदेव को यश चोपड़ा की रोमांटिक कॉमेडी श्नील एन निक्कीश (2005) में एक संक्षिप्त भूमिका के लिए जाना जाता है, जिसमें उदय चोपड़ा और तनिषा मुखर्जी ने अभिनय किया था। उन्होंने अमिताभ बच्चन और करीना कपूर के साथ हाई–प्रोफाइल टेलीविज़न विज्ञापनों में भी काम किया और जैज़ी बी के श्सोनियेश जैसे पंजाबी संगीत वीडियो में भी दिखाई दीं। बाद में उन्होंने उद्यमिता और पारिवारिक जीवन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अभिनय से दूरी बना ली। अपने सौतेले बच्चों के साथ उनके घनिष्ठ संबंध और एकता के प्रति समर्पण ने उन्हें सामाजिक हलकों और जनता से समान रूप से प्रशंसा दिलाई।

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री करिश्मा कपूर एक प्यारी माँ के रूप में जानी जाती हैं और उन्होंने अक्सर अपने बच्चों के साथ बिताए मीठे पलों को सोशल मीडिया पर शेयर किया है। 11 मार्च, 2023 को एक और दिल को छू लेने वाला पल सामने आया, जब करिश्मा और उनके पूर्व पति संजय कपूर, उनकी वर्तमान पत्नी प्रिया सचदेव के साथ समायरा का 18वां जन्मदिन मनाने के लिए एकत्र हुए।

हालांकि जन्मदिन का जश्न कब और कहाँ मनाया गया, इसके बारे में ज़्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन यह पता चला है कि संजय कपूर अपनी पत्नी प्रिया सचदेव और अपने बेटे अज़ारियस के साथ इस जश्न में शामिल हुए थे। इस प्यारे पल ने पूर्व जोड़े और उनके मिश्रित परिवारों के बीच एक शांतिपूर्ण और सम्मानजनक बंधन को दर्शाया, जो एक–दूसरे का सहयोग करते हैं।

संजय ने लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था) पर अपनी बड़ी बेटी के 18वें जन्मदिन पर अपनी खुशी जाहिर की और एक दिल को छू लेने वाले संदेश के साथ उसका वयस्क होने पर स्वागत किया। उन्होंने समायरा के जन्मदिन की कुछ तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने लिखा, श्एक पिता अपनी बेटी का हाथ थोड़े समय के लिए थामता है, लेकिन वह उसका दिल हमेशा के लिए थामे रहता है। मेरे पहले प्यार समायरा को 18वें जन्मदिन की शुभकामनाएं। वयस्कता में आपका स्वागत है। ज़िम्मेदार बनना और अपना जीवन पूरी तरह से जीना याद रखें। आप अंदर से बाहर तक खूबसूरत हैं। और हम सभी को आप पर गर्व है।

अनजान लोगों के लिए, अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने 2003 में एक भव्य समारोह में व्यवसायी संजय कपूर से शादी की। उसके बाद इस जोड़े के दो बच्चे हुएरू 2005 में बेटी समायरा और 2010 में करिश्मा के पारिवारिक घर, कृष्णा राज बंगले, मुंबई में बेटा कियान। हालाँकि, उनकी शादी ज़्यादा समय तक नहीं चली, क्योंकि दोनों ने शादी के 13 साल बाद तलाक लेने का फैसला किया। एक साल बाद 2017 में संजय कपूर ने अभिनेत्री प्रिया सचदेव से शादी कर ली। अपने अतीत के बावजूद, करिश्मा और संजय ने हमेशा अपने बच्चों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनका साथ में दिखना दर्शाता है कि वे एक टीम के रूप में अपनी बेटी का समर्थन करना जारी रखते हैं, भले ही वे अब विवाहित रिश्ते में न हों।

यूरिक एसिड-गठिए का काल, यह लोग इस लाल रंग के रसीले फल का जरूर करें सेवन

प्रकृति ने हमें कई ऐसी चीजें दी हैं जिन्हें सेहत के लिए वरदान माना जाता है जैसे कि फल। सेब, केला हो या अनार हर फल का अपना ही एक फायदा है लेकिन आज हम जिस फल की बात कर रहे हैं उसमें एक नहीं अनेक गुण है। यह जितना छोटा है उतना ही सेहत के लिए फायदेमंद है। जी हां हम बात कर रहे हैं लाल रसभरी चेरी की। चेरी एक ऐसा फल है, जिसका इस्तेमाल कई प्रकार के व्यंजनों जैसे कि केक, टार्ट, और चीजकेक जैसी कई चीजों में किया जाता है, इसमें थायमिन, राइबोफ्लेविन, विटामिन बी, विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन के, विटामिन ई, विटामिन बी 6, पैंटोथैनिक एसिड, नियासिन, फोलेट, पोटेशियम, मैग्नीज, कॉपर, आयरन, कैल्शियम, फास्फोरस, कैलोरी जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर को कई समस्याओं से बचाने में मददगार हैं। चलिए इसके फायदे आपको बताते हैं।

कब्ज से बचाएं

जिन लोगों का कब्ज की समस्या रहती है उन्हें तो चेरी जरूर खानी चाहिए। इसमें फाइबर भरपूर होता है जो कब्ज ठीक करने में मदद करती है। चेरी के सेवन से कब्ज की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। चेरी का जूस भी पी सकते हैं।

स्ट्रेस दूर करें

आज के समय में तनाव हर किसी को अपनी चपेट में लिए है। अगर आप भी तनाव की समस्या से परेशान हैं तो चेरी को अपनी डाइट में शामिल करें। चेरी में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो तनाव को दूर करने में मदद कर सकते हैं।

डायबिटीक रोगी के लिए फायदेमंद

ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में भी चेरी काफी मददगार है। चेरी में एंटी इंफ्लेमेटरी के गुण पाए जाते है। ऐसी डाइट जिसमें चेरी शामिल होते हैं वे ग्लूकोज के लेवल को कम करते हैं, इसलिए, डायबिटीज की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए, चेरी का उपयोग एक प्राकृतिक तरीके के रूप में किया जा सकता है।

यूरिक एसिड- गठिया से बचाव

चेरी में एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-इन्फ्लामेटरी एक्टिविटी होती है जो यूरिक एसिड को नियंत्रित करने में मदद कर सकती हैं। यूरिक एसिड बढ़ने पर गठिया होने का भी खतरा रहता है। अगर आप यूरिक एसिड की समस्या से परेशान हैं तो चेरी या किसी अन्य हर्बल रेमेडी का उपयोग करने से पहले अपने डॉक्टर से परामर्श करें।

एक बार इस हिल स्टेशन पर आने के बाद सबकुछ भूल जाओगे

अगर आप भी पहाड़ों पर जाने के लिए सोच रहे हैं, तो आप इस हिल स्टेशन पर जरुर घूमने जाएं। यहां पर पहाड़, घाटियां, झरनें, नदियां और जंगल देख सकते हैं। जिन लोगों को ट्रैकिंग करना पसंद है वे लोग कोडाई जंगल में ट्रैकिंग कर सकते हैं और कैंपिंग भी कर सकते हैं। भीषण गर्मी से बचने के लिए लोगों पहाड़ों की तरफ जा रहे हैं। अगर आप भी ट्रैकिंग और कैंपिंग करनी है तो आप कानाताल हिल स्टेशन चले जाए। यह हिल स्टेशन उत्तराखंड में है और टूरिस्टों के बीच बेहद पॉपुलर है। यह जगह ट्रैकिंग और कैंपिंग एक्टिविटी के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है। इस हिल स्टेशन की सुंदरता देखकर आप कश्मीर भूल जाओंगे। इसे सीक्रेच हिल स्टेशन भी कहा जाता है। चलिए आपको इस बारे में बताते हैं।

देहरादून से 78 किलोमीटर दूर है कानाताल

अगर आप इस हिल स्टेशन पर जाना चाहते हैं तो देहरादून से 78 किलोमीटर दूर कानाताल चले आइए। इस हिल स्टेशन पर पर्यटक पहाड़, घाटियां, झरनें, नदियां और जंगल देख सकते हैं। बता दें कि टूरिस्ट यहां पर कोडाई जंगल में ट्रैकिंग कर सकते हैं और कैंपिंग का लुत्फ उठा सकते हैं।

दिल्ली से नजदीक है यह हिल स्टेशन

यह सुंदर हिल स्टेशन उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जिले में है। यह हिल स्टेशन मसूरी हाई-वे पर पड़ता है और समुद्र तल से 2,590 मीटर की ऊंचाई पर है। कानाताल दिल्ली से पास होने के कारण वीकएंड में इस हिल स्टेशन में अब टूरिस्टों की अच्छी खासी भीड़ होने लगी है। वहीं, आप नई दिल्ली से ऋषिकेश होते हुए भी कानाताल जा सकते हैं। ऋषिकेश से कानाताल की दूरी करीब 75 किलोमीटर है। यहां आप नेचर वॉक कर सकते हैं और प्रकृति को करीब से महसूस करते हैं।

पंजाबी स्टाइल सलवार-सूट में दिखेंगी बेहद प्यारी, हर कोई देखता रह जाएगा

फैशन के इस बदलते दौर में हर रोज कोई न कोई फैशन ट्रेंड करता है। वहीं सलवार-सूट एक ऐसा आउटफिट है, जो आप रोजाना से लेकर हर पार्टी व फंक्शन में पहनते हैं। आजकल मार्केट में रेडीमेड से लेकर सूट के फैब्रिक को खरीदकर खुद कस्टमाइज लुक दे सकती हैं।

फैशन के इस बदलते दौर में हर रोज कोई न कोई फैशन ट्रेंड करता है। वहीं सलवार-सूट एक ऐसा आउटफिट है, जो आप रोजाना से लेकर हर पार्टी व फंक्शन में पहनते हैं। आजकल मार्केट में रेडीमेड से लेकर सूट के फैब्रिक को खरीदकर खुद कस्टमाइज लुक दे सकती हैं। वहीं फैशन के इस बदलते दौर में कई बार हम सेलिब्रिटीज के लुक्स को री-क्रिएट करते हैं। आजकल पंजाबी स्टाइल सलवार-कमीज को काफी ज्यादा पसंद किया जाने लगा है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पंजाबी स्टाइल सलवार-सूट के कुछ लेटेस्ट डिजाइंस के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको आप स्टाइल कर अपने लुक को परफेक्ट बना सकते हैं।

गोल घेरे वाला सूट

आपको कई अनारकली और कलीदार सूट के डिजाइन गोल घेरे में आसानी से मिल जाएंगे। गर्मियों में इस तरह के लाइट वेट प्लेन या प्रिंटेड फैब्रिक से बने सूट कैरी कर सकती हैं। इस सूट के साथ हैवी झुमकी पहनकर अपने लुक को कंप्लीट करें। गोल घेरे वाले सूट के साथ आप गोटा-पट्टी लेस वाले दुपट्टे को स्टाइल करें।

पटियाला स्टाइल सलवार-सूट

पंजाब में यह सलवार सूट सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। पटियाला स्टाइल सलवार-सूट के साथ आप फुलकारी दुपट्टे को कैरी कर सकती हैं। इस तरह के सलवार के साथ आप शॉर्ट स्टाइल सूट की कमीज बनवाएं और हैवी लुक पाने के लिए घेरे पर चौड़े डिजाइन की लेस लगवा सकती हैं। इस तरह के सूट के साथ आप गुरकाबी स्टाइल जूती पहनकर अपने लुक को कंप्लीट कर सकती हैं।

चौड़े घेरे वाला सूट

आप अपने लुक को अच्छा बनाने के लिए चौड़े घेरे वाले सूट के साथ आप सलवार या पैन्ट्स को कैरी कर सकती हैं। क्योंकि कई बार हम शॉर्ट कमीज पहनने में कंफर्ट महसूस नहीं करते हैं। ऐसे में यह डिजाइन आपके लिए बेस्ट रहेगा। इसके साथ ही आप हैवी वर्क वाला दुपट्टा कैरी कर सकती हैं। इस तरह के सूट के साथ आप एंकल लेंथ वाली पैंट्स कैरी कर सकती हैं। यह आपको मॉर्डन टच देने का काम करेगा।

पेट की जलन को शांत करने में कारगर हैं ये 5 मसाले, ऐसे करें डाइट में शामिल

दिन पर दिन बढ़ती गर्मी की वजह से सभी लोगों का हाल-बेहाल है। खुद को गर्मी से बचाने के लिए हम खुद को ठंडा रखने की कोशिश करते हैं। खुद को ठंडा रखने के लिए तरह-तरह के ड्रिंक्स, ठंडी चीजों और न जाने क्या-क्या खाते हैं। इसके साथ ही गर्मी में ज्यादा मसाले खाने से परहेज करते हैं। जिससे कि पाचन बेहतर रह सके और हमारे शरीर का तापमान भी न बढ़ सके। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ मसाले ऐसे भी होते हैं, जो हमारे शरीर को ठंडा रखने में सहायक होते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उन मसालों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनकी सहायता से आ अपने शरीर को ठंडा रख सकते हैं।

जीरा

खाने में इस्तेमाल होने वाले मसालों में जीरे का नाम सबसे ऊपर आता है। जीरा न सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि यह हमारे पाचन को भी दुरुस्त रखता है और पेट को ठंडा रखता है। गर्मियों में इस मसाले का सेवन करना फायदेमंद होता है। इसको आप पानी में उबालकर भी पी सकते हैं और बॉडी डिटॉक्स में भी सहायक होता है।

इलायची

हम कई डेजर्ट्स में और माउथ फ्रेशनर की तरह इलायची का इस्तेमाल करते हैं। यह खाने की खुशबू और फ्लेवर को बढ़ाती है और गर्मियों में इसका सेवन करने से शरीर ठंडा रहता है। यह पाचन के लिए भी फायदेमंद होता है और इसकी कूलिंग प्रॉपर्टीज आपको ठंडा रखता है। गर्मी के मौसम में कच्चा चबाकर, दूध में मिलाकर या मीठी डिशेज में डालकर इसको खाना चाहिए।

सौंफ

सौंफ का अधिकतर सेवन माउथ फ्रेशनर की तरह किया जाता है। यह पाचन में भी फायदेमंद होती है। गर्मियों में अक्सर लोगों को पाचन संबंधी समस्या होती है। यह इस समस्या को कम करने में सहायक होता है। साथ ही सौंफ ब्लोटिंग और गैस की समस्या को भी कम करता है। आप सौंफ का सेवन पानी में उबालकर इसका सेवन कर सकते हैं या फिर इसको साबुत भी खा सकते हैं।

धनिया

अक्सर हम सभी खाने को गार्निश करने के साथ चटनी बनाकर खाते हैं। धनिया खाने का स्वाद बढ़ाती है और यह सभी को पसंद आती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह स्वाद को बढ़ाने के साथ पाचन के लिए भी फायदेमंद है। इसके सेवन से शरीर को ठंडक मिलती है और आप इसको चटनी बनाकर या खाने में मसाले के तौर पर खा सकते हैं।

मेथीदाना

मेथीदाना खाने में एक अलग स्वाद को जोड़ने का काम करती है। यह आपके शरीर को ठंडक देता है और इसको अपनी डाइट में शामिल करने से गर्मी से राहत मिलती है। आप चाहें तो मेथीदाने को पानी में उबालकर इस पानी को पी सकते हैं या इसको अपने खाने में शामिल कर सकते हैं।

अब नहीं बढ़ेगा चावल खाने से वजन, बस करना होगा ये एक काम

ज्यादातर लोगों की चावल खाना पसंद होता है, लेकिन कई बार लोग इसलिए कम मात्रा में खाते हैं क्योंकि चावल को एक अनहेल्दी और वजन बढ़ाने वाली डाइट माना जाता है। दरअसल, चावल में कार्बोहाइड्रेट्स की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। इसे खाने से शरीर को तुरंत एनर्जी तो मिलती ही है, साथ में शरीर में शुगर लेवल और वजन दोनों बढ़ते हैं। लेकिन कुछ रिपोर्ट्स में बताया गया है कि चावल पकाने और खाने का एक खास तरीका खोज है, जिससे चावल में मौजूद कैलोरीज सीधा आधी हो जाती है। ऐसे में कोई भी इसका सेवन कर सकता है। आइए आपको बताते हैं इसके बारे में...

ऐसे पकाएं और खाएं चावल

1. पहले चावल को अच्छी तरह से धो लें। अब इसे पानी में 15 मिनट तक भीगने दें।

2. जिस बर्तन में चावल बना रहे हैं तो उसमें 1 चम्मच नारियल तेल डालें।

3. इसके बाद तेल को करीब 1 मिनट तक फ्राई करें।

4. अब पानी डालकर कुकर बंद कर दें और बहुत ही धीमी आंच में पकाने दें।

5. चावल जब पक जाए तो इसे ठंडा होने दें। इसके बाद चावल को 12 घंटे फ्रिज में रख दें।

6. 12 घंटे के बाद आप चावल को नॉर्मल होने पर या फिर से गर्म करके खा सकते हैं।

इस तरह से पकाकर खाने से उसमें 50:-60: कैलोरीज कम हो जाती है। इससे आपके वजन बढ़ने का खतरा बहुत कम हो जाता है। खास बात ये भी है कि इस रिसर्च में दावा किया गया है कि अगर आप लंबे समय तक इसी तरह से चावल पका कर खाते हैं तो इससे आपका वेट कम भी हो सकता है।

इन बातों का भी रखें ध्यान

खिचड़ी है बेस्ट ऑप्शन

अगर आप चावल तो सब्जी के साथ पका रही है तो इसके पोषक तत्व बढ़ जाते हैं। खिचड़ी के रूप में चावल खान बेस्ट ऑप्शन है। इससे वजन कंट्रोल में रहता है।

ये चावल है बेस्ट

बासमाती चावल से डायबिटीज कंट्रोल में रहता है। लेकिन मात्रा का ख्याल रखना बहुत जरूरी है। ये खाने में तो टेस्टी लगते हैं, इसकी खुशबू भी लाजवाब होती है।

पोर्शन का रखें खास ध्यान

अगर आपको वजन भी कंट्रोल में रखना है और अपनी क्रेविंग को भी कम करना है तो चावल को थाली के बजाय कटोरी में खाएं। इससे आप ज्यादा खाने से बच सकते हैं और आपका वजन भी कंट्रोल में रहेगा।

संक्षिप्त

खाने-पीने की चीजें होंगी सस्ती, यूनियन बैंक ने अच्छे मानसून और टैक्स कटौती को बताई अहम वजह

नई दिल्ली। अच्छे मानसून और खाद्य तेल पर आयात शुल्क में कटौती आने वाले महीनों में खाने-पीने की चीजों को सस्ता कर सकती हैं। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई है। इसमें कहा गया कि सरकार ने 30 मई को सूरजमुखी, सोयाबीन और पाम तेल जैसे कच्चे खाद्य तेलों पर आयात शुल्क 20: से घटाकर 10: कर दिया है। इस कदम से खुदरा उपभोक्ताओं को सीधे लाभ मिलने की संभावना है।

समय से पहले आया मानसून

रिपोर्ट में बताया गया कि इस बार मानसून की शुरुआत सकारात्मक रही। केरल में मानसून समय से 5 दिन पहले पहुंच चुका है और देश के दूसरे भागों में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। मई 2025 में भारत में औसत से लगभग 106 : अधिक वर्षा हुई। भारतीय मौसम विभाग ने संभावना जताई है कि मानसून जून में भी सक्रिय रहेगा।

बैंक ने दी मौसम संबंधी चेतावनी

इन सकारात्मक संकेतों के बावजूद बैंक ने मौसम को लेकर चेतावनी जताई है। चरम मौसम संबंधी घटनाएं वर्तमान मुद्रास्फीति की प्रवृत्ति को बाधित कर सकती हैं। उत्तर भारत में गर्मी अभी भी तेज है और अगर बाढ़ या सूखा जैसी समस्याएं आईं, तो खाद्य पदार्थों की कीमत फिर से बढ़ सकती है।

मई में खुदरा महंगाई घटकर 2.82 प्रतिशत हुई

गुरुवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार मई 2025 में खुदरा महंगाई दर 2.82 प्रतिशत दर्ज की गई। इसका मुख्य कारण सब्जियों, फलों और प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों की कीमतों में नरमी है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) अप्रैल 2025 में 3.16 प्रतिशत पर आ गई।

रुपया शुरुआती कारोबार में 56 पैसे टूटकर 86.08 प्रति डॉलर पर

शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 56 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.08 पर आ गया। इज़राइल के ईरान के परमाणु स्थलों पर हमले के बाद पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच वैश्विक तेल कीमतों में तेजी और डॉलर के मजबूत होने का असर घरेलू मुद्रा पर दिखा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों की कमजोर शुरुआत और

विदेशी पूंजी की भारी निकासी से भी स्थानीय मुद्रा में गिरावट आई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 86.25 पर खुला। फिर 86.08 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 56 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.52 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.22 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 8.59 प्रतिशत की बढ़त के साथ 75.32 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 3,831.42 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

ईरान-इस्राइल युद्ध के कारण बढ़ सकते हैं पेट्रोल के दाम, महंगाई होगी बेलगाम!

इस्राइल ने ईरान के कई परमाणु ठिकानों पर हमला कर दिया है। इससे पूरी दुनिया के बाजारों में अफरा-तफरी का माहौल है। भारत सहित दुनिया भर के शेयर बाजारों पर इसका नकारात्मक असर पड़ा है और शेयर टूट गए हैं। निवेशक सुरक्षित निवेश की तलाश में अपना पैसा निकाल रहे हैं। इसका सीधा असर एक बार फिर सोने और डॉलर में तेज निवेश के रूप में सामने आ सकता है, वहीं भारत पर इसके कारण पेट्रोल के दामों में बढ़ोतरी हो सकती है। यदि ऐसा होता है तो इसका सीधा असर माल ढुलाई पर पड़ेगा और इसका असर आवश्यक पदार्थों की कीमतों में तेजी के रूप में सामने आ सकता है। अभी एक ही दिन पहले यह खबर सुनकर आम भारतीय उपभोक्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई थी कि महंगाई दर कई वर्षों में सबसे निचले स्तर 2.82 प्रतिशत पर आ गई थी। रिजर्व बैंक ने भी महंगाई को नियंत्रण में देखकर रेपो दरों में कमी का ऐलान कर दिया था। इससे रेपो दरें 5.50 प्रतिशत पर आ गई हैं और अनुमान यही लगाया जा रहा है कि बैंक रेपो दरों में कमी का लाभ आम उपोक्ताओं तक पहुंचाएंगे और उनकी घर-कारों पर लिए गए कर्ज की महंगी ईएमआई कुछ कम हो सकेगी। लेकिन इसी बीच अचानक इस्राइल ने ईरान पर हमला कर पूरा मामला नई ओर मोड़ दिया है। ईरान दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश है। इस हमले के बाद ब्रेंट क्रूड ऑयल के दाम 8.84 प्रतिशत बढ़कर 75.49 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गए हैं। ईरान भी इस हमले के बाद चुप नहीं बैठेगा। वह जवाबी हमला कर सकता है। ईरान-इस्राइल के युद्ध में ईरान के तेल कुओं को भी नुकसान होने की संभावना बढ़ सकती है। यदि ऐसा होता है तो क्रूड ऑयल की कीमतों में और अधिक वृद्धि हो सकती है।

भारत पर कैसे पड़ेगा असर?

भारत करीब 40 देशों से तेल आयात करता है। 2024 में ओपेक देशों ने भारत के कुल तेल आयात का करीब 51.5 प्रतिशत निर्यात किया था। लेकिन विशेष देश के हिसाब से देखें तो सबसे बड़ी हिस्सेदारी रूस की रही।

2005 से सिर्फ एक बार लॉर्ड्स में चेज हुआ है 200+ रनों का लक्ष्य, द. अफ्रीका तोड़ पाएगा तिलिस्म?

लंदन। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच विश्व टेस्ट चौंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल मुकाबला अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है। लंदन के लॉड्र्स मैदान पर खेले जा रहे इस मुकाबले में अब तक गेंदबाजों का दबदबा देखने मिला है। डब्ल्यूटीसी के खिताबी मैच का आज तीसरा दिन है और ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक ही कुल बढ़त 200 रन के पार पहुंचा दी है।

दूसरे दिन गिरे कुल 14 विकेट

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दूसरी पारी में आठ विकेट पर 144 रन बना लिए हैं और उसकी कुल बढ़त 218 रन हो गई है। दिन का खेल समाप्त होने तक मिचेल स्टार्क 16 और नाथन लियोन एक रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। मैच के दूसरे दिन गुरुवार को कुल 14 विकेट गिरे। इससे पहले शुरुआती दिन भी इतने ही विकेट गिरे थे। ऑस्ट्रेलिया ने पहले दूसरे सत्र में दक्षिण अफ्रीका के शेष छह विकेट गिराए, जबकि दक्षिण अफ्रीका ने भी स्टंप्स तक कंगारू टीम को आठ झटके दे दिए।

सुखद स्थिति में पहुंच चुका है ऑस्ट्रेलिया?

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में एलेक्स कैरी और मिचेल स्टार्क के बीच हुई आठवें विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी की मदद से बढ़त 200 रन के पार पहुंचा दी है। लॉड्र्स में लक्ष्य प्राप्ति के आंकड़े देखें तो यह ऑस्ट्रेलिया के लिए सुखद स्थिति के संकेत दे रहे हैं। इस मैदान पर टेस्ट में अब तक चार बार 200+ रनों का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल किया गया है, लेकिन 2005 से ऐसा सिर्फ एक बार हुआ है। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका के लिए दूसरी पारी में बल्लेबाजी करना आसान नहीं होगा। अब तक के खेल को देखते हुए यह स्पष्ट है कि इस मैच में गेंदबाजों को मदद मिल रही है और लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की राह आसान नहीं रहने वाली है।

पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क की तिकड़ी के सामने किसी भी बल्लेबाजी क्रम को परेशानी हो सकती है। ऑस्ट्रेलिया के अभी दो विकेट शेष हैं और टीम चाहेगी कि किसी तरह इस बढ़त को 250 के पार पहुंचाया जा सके जिससे दक्षिण अफ्रीका के सामने एक कठिन लक्ष्य रहे। लॉड्र्स के रिकॉर्ड को देखें तो ऑस्ट्रेलिया दबदबा बना सकती है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका का बल्लेबाजी क्रम भी मजबूत है।

अक्तूबर 2024 से सबसे ज्यादा नो बॉल फेंक चुके हैं रबाडा

दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा ने डब्ल्यूटीसी फाइनल में अच्छी गेंदबाजी की है, लेकिन वह अक्तूबर 2024 से टेस्ट में सबसे ज्यादा नो बॉल फेंकने वाले खिलाड़ी हैं। रबाडा इस दौरान 57 नो बॉल कर चुके हैं जो किसी अन्य गेंदबाज की तुलना में सर्वाधिक है। दूसरे स्थान पर जसप्रीत बुमराह हैं जिन्होंने इस दौरान 24 नो बॉल फेंकी हैं। इस टाइमफ्रेम में दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने कुल 113 नो बॉल की है जो सर्वाधिक है।

टेंबा बावुमा ने रचा इतिहास, ऐसा करने वाले दूसरे बल्लेबाज बने, रोहित शर्मा के रिकॉर्ड की कर ली बराबरी

साउथ अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा ने वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल में इतिहास रच दिया है। बावुमा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली पारी में 36 रनों की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने रोहित शर्मा के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। बावुमा पहली पारी में 84 गेंदों में 36 रन बनाकर आउट हुए। बवुमा ने इस पारी में 4 चौके और एक छक्का लगाया। बवुमा ने डेविड बेडिंघम के साथ 5वें विकेट के लिए 64 रनों की साझेदारी निभाई। वहीं बावुमा ने इस पारी में छक्का जड़ते ही रोहित के रिकॉर्ड की बराबरी की। बवुमा अब रोहित के बाद वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल में छक्का जड़ने वाले सिर्फ दूसरे कप्तान बन गए हैं। बावुमा से पहले रोहित ये कारनामा कर चुके हैं। रोहित ने साल 2023 में ऑस्ट्रेलिया के ही खिलाफ फाइनल में ये कारनामा किया था। रोहित ने अब टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया है। बावुमा ने फाइनल में अच्छी पारी खेली, लेकिन वो इस पारी के बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए। बवुमा के आउट होते ही साउथ अफ्रीका की पूरी टीम ताश के पत्तों की तरह ढह गई। साउथ अफ्रीका पहली पारी में सिर्फ 138 रनों पर ही ऑलआउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए कप्तान पैट कमिंस ने 6 विकेट झटके। जिससे ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 74 रनों की बढ़त मिल गई। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 212 रन बनाए थे।

IPL में 3 सालों से नहीं मिला कोई खरीददार, अब टी20 में तबाई मचाकर जड़ दिए 19 छक्के

मेजर लीग क्रिकेट के पहले मैच में फिन एलन ने अपने बल्ले से कमाल दिखाकर छक्कों की झड़ी लगा दी। इसके साथ ही उन्होंने टी20 में सबसे ज्यादा छक्कों का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। बता दें कि, फिन एलन को पिछले 3 सालों से आईपीएल में कोई खरीददार नहीं मिला लेकिन अब उन्होंने अपने प्रदर्शन से आईपीएल फ्रेंचाइजियों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के लिए खेलते हुए न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिल एलन ने शुक्रवार को ओकलैंड कोलिजीयम में वाशिंगटन फ्रीडम के गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने क्रिस गेल का टी20 पारी में सबसे ज्यादा छक्कों को पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड भी तोड़ा। एलन ने 51 गेंदों पर 151 रन की धमाकेदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 19 छक्के कूट दिए। इतना ही नहीं उन्होंने 5 चौके भी लगाए। ऐसे में उन्होंने क्रिस गेल और एस्टोनिया के साहिल चौहान द्वारा संयुक्त रूप से बनाए गए 18 छक्कों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। एलन ने सिर्फ 20 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद वह और आक्रामक हो गए और उन्होंने सिर्फ 34 गेंदों में अपने करियर का चौथा टी20 शतक पूरा किया।

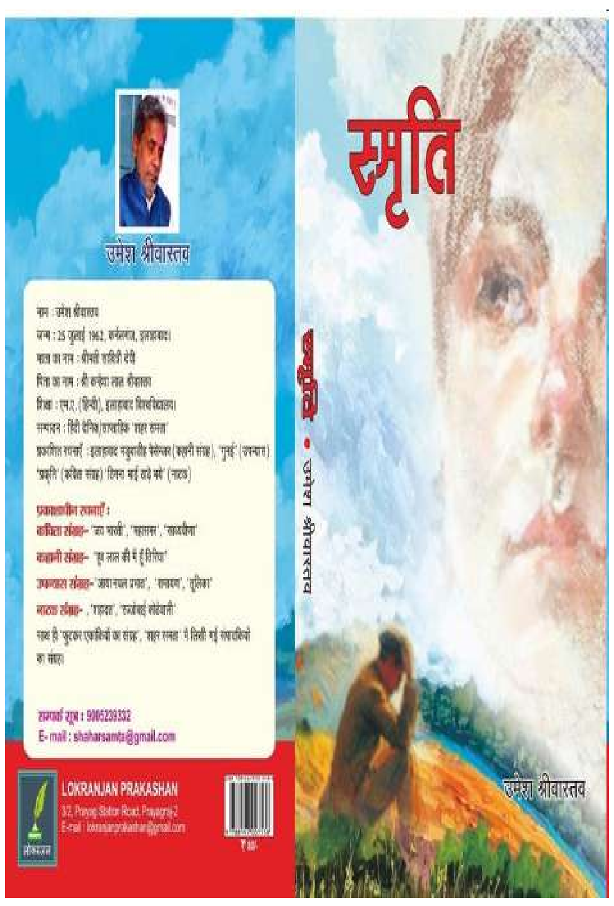

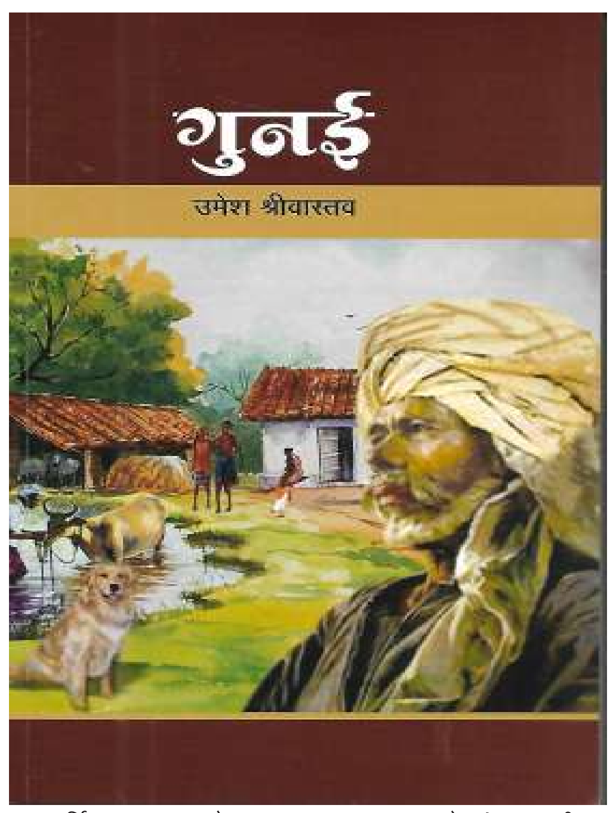

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

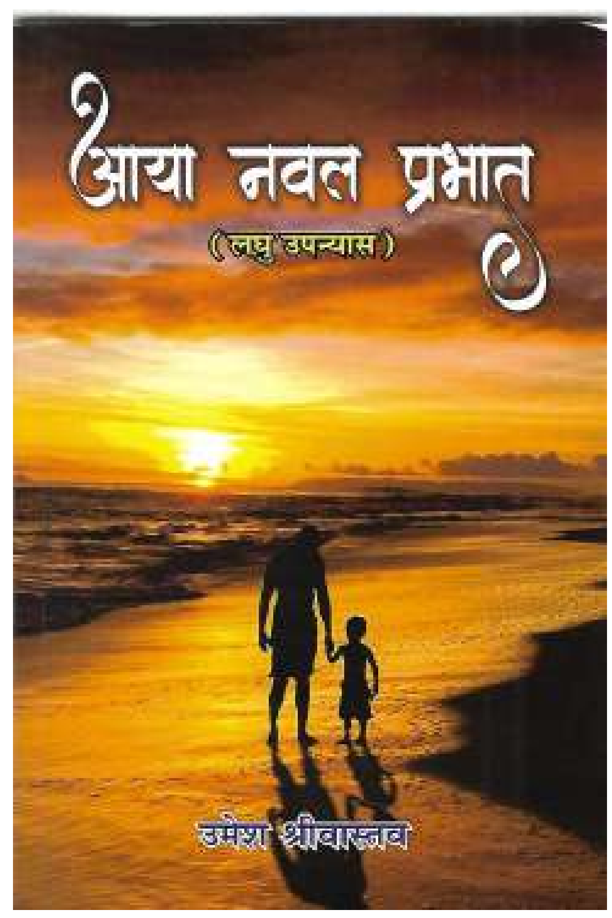

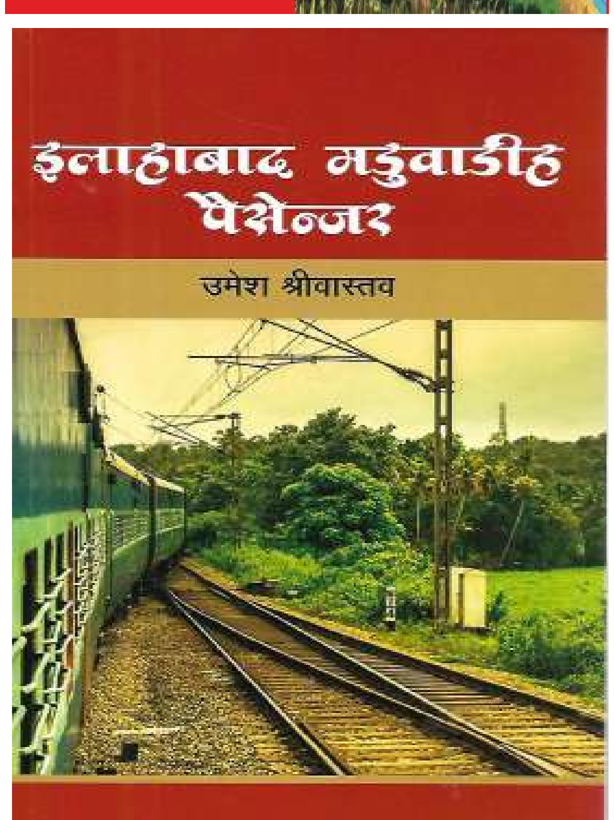

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

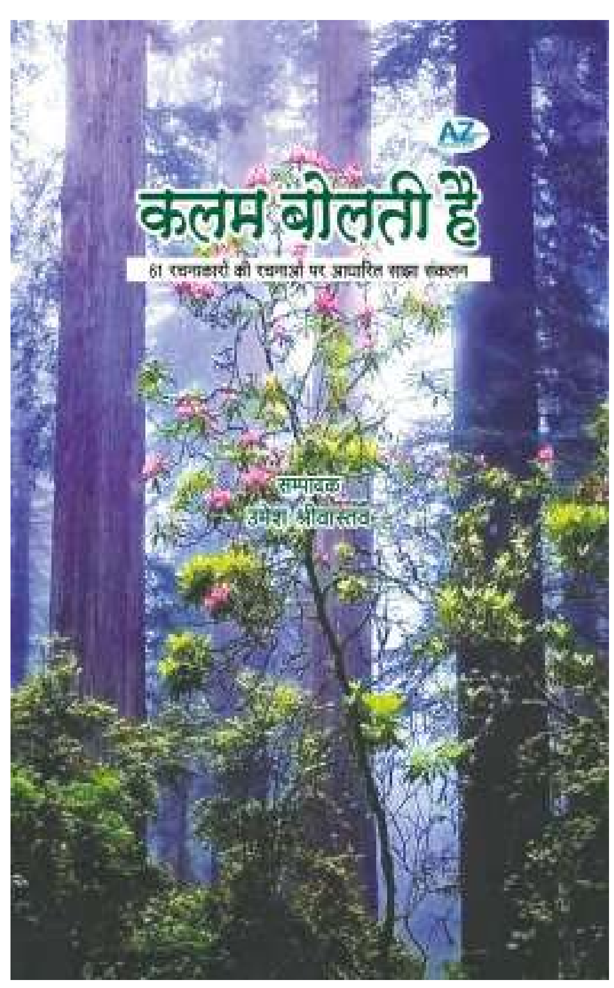

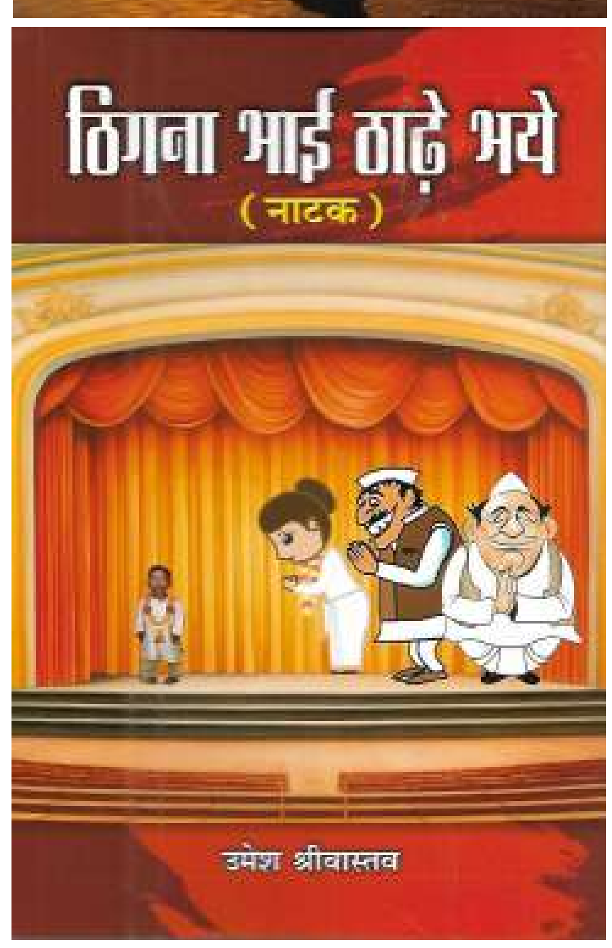

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

एआई171 दुर्घटना की जांच के लिए दल भेजा गया : ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने बृहस्पतिवार को कहा कि लंदन आ रही एयर इंडिया की उड़ान संख्या 171 के अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के बाद हादसे की जांच के तहत ब्रिटेन का एक दल भारत भेजा गया है। इससे कुछ देर पहले असैन्य विमान दुर्घटनाओं और गंभीर घटनाओं की जांच करने वाली एक ब्रिटिश एजेंसी ने कहा कि वह दुर्घटना की भारतीय नेतृत्व वाली जांच में सहयोग के लिए एक

बहु–विषयक जांच दल भारत में तैनात करेगी। हवाई दुर्घटना जांच शाखा (एएआईबी) ने कहा कि उसने भारत में विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो को ''अपनी सहायता की औपचारिक रूप से पेशकश की है।'' स्टॉर्मर ने कहा, ''जांच जारी है, हमने एक जांच दल भेजा है; उसे तैनात कर दिया गया है।'' उन्होंने कहा, ''ब्रिटेन के विदेश मंत्री (डेविड लैमी) इस पर काम कर रहे हैं और हम जल्द से जल्द ताजा जानकारी देंगे। हम तथ्यों का पता लगाने के लिए भारतीय अधिकारियों के साथ काम कर रहे हैं। मैं सभी प्रभावित लोगों के परिजनों, दोस्तों से कहूंगा कि कृपया आगे की जानकारी के लिए विदेश कार्यालय से संपर्क करें।

उत्तर-पश्चिमी कांगो में नौका डूबने से 30 लोगों की मौत

मध्य अफ्रीकी देश कांगो के उत्तर–पश्चिमी इक्वेटर प्रांत में खराब मौसम के कारण एक नौका के डूब जाने से कई छात्रों सहित कम से कम 30 यात्रियों की मौत हो गई। स्थानीय लोगों और मीडिया ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कई लोग अभी भी लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है। क्षेत्रीय प्रशासक जस्टिन मपुतु ने स्थानीय मीडिया को बताया कि नौका बिकोरो क्षेत्र में टुम्बा झील के किनारे ग्रामीणों

और सामान को ले जा रही थी, जब बुधवार देर रात यह डूब गई। उन्होंने बताया कि 30 शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि कई अन्य लोग लापता हैं।

ईरान पर इजराइल का हमला आसन्न नहीं, लेकिन ''ऐसा हो सकता है'' : ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर उस पर इजराइल का हमला आसन्न नहीं है, लेकिन ''ऐसा हो सकता है।'' ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में संवाददाताओं से कहा, ''मैं यह नहीं कहना चाहता कि यह आसन्न है, लेकिन ऐसा लगता है कि यह हो सकता है।'' ट्रंप ने चिंता जताई कि अगर ईरान समझौते पर बातचीत नहीं करता है, तो पश्चिम एशिया में ''बड़े पैमाने पर संघर्ष'' छिड़ सकता है। उन्होंने कहा कि वह ईरान से समझौता करने का आग्रह करते रहेंगे।

6 देशों के एयरस्पेस बंद, मीडिल ईस्ट में कुछ बड़ा होने वाला है!

इजराइल ने ईरान की राजधानी पर हमला कर दिया और देश के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाया जिसके बाद पश्चिम एशिया के दो कट्टर विरोधियों के बीच एक व्यापक युद्ध की आशंका तेज हो गई है। मीडिल ईस्ट से लेकर वेस्ट एशिया तक फिलहाल अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। मीडिल ईस्ट में बहुत बड़ी हलचल देखने को मिल रही है। छह देशों के एयरस्पेस बंद कर दिए गए हैं। इजरायल और ईरान दोनों ने अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है। इसके अलावा इराक, जॉर्डन, लेबनान और सीरिया ने एयरस्पेस बंद कर दिए गए हैं। यानी छह देश ऐसे हैं जिन्होंने अपना एयरस्पेस पूरी तरह से बंद कर दिया है। यानी हवा में अब विमानों की आवाजाही अब नहीं होगी। इससे ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि मीडिल ईस्ट में किस तरीके की हलचल बढ़ चुकी है।

जॉर्डन की सेना अलर्ट पर

ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव के बीच जॉर्डन ने किसी भी खतरे का सामना करने के लिए अपने सशस्त्र बलों को अलर्ट पर रखा है। एक सैन्य अधिकारी ने कहा कि सभी इकाइयाँ उच्चतम स्तर की तत्परता पर हैं और वे घटनाक्रम पर बारीकी से नज़र रख रहे हैं। जॉर्डन के संचार राज्य मंत्री और सरकार के प्रवक्ता डॉ. मोहम्मद अल–मोमानी ने कहा कि देश अपने हवाई क्षेत्र का उल्लंघन नहीं होने देगा और यह किसी भी संघर्ष के लिए युद्ध का मैदान नहीं बनेगा।

ईरान के खिलाफ हमलों में 200 लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया गया

इजरायली सेना ने कहा है कि उसने ईरान के खिलाफ ''ऑपरेशन राइजिंग लॉयन'' को अंजाम देने के लिए 200 लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया। आईडीएफ प्रवक्ता एफी डेफ्रिन ने कहा, ''ईरान में 100 से अधिक ठिकानों पर हमला किया गया है। डेफ्रिन ने कहा कि इजरायल के हमले ''एक सटीक और समन्वित ऑपरेशन का हिस्सा थे और उसके पायलट ''ईरान के विभिन्न क्षेत्रों में सैन्य लक्ष्यों और परमाणु कार्यक्रम के लक्ष्यों पर अभी भी हमला कर रहे हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
9194504822 27

ईरान पर अटैक कर इजरायल ने याद कराई दुनिया के सबसे बड़े सर्जिकल स्ट्राइक की कहानी

ऑपरेशन ओपेरा आकरके इराक के परमाणु रिएक्टर को किया था ध्वस्त

इजराइल ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाते हुए शुक्रवार को सुबह देश की राजधानी पर हमले किए जिनमें कम से कम दो शीर्ष सैन्य अधिकारियों की मौत हो गई। इज़रायली सेना का कहना है कि उसने पश्चिमी ईरान में हवाई सुरक्षा पर व्यापक हमला किया है। उसने शुक्रवार को कहा कि उसने दर्जनों रडार प्रतिष्ठानों और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल लांचरों को नष्ट कर दिया है। इस बीच, जॉर्डन की वायु सेना ने कहा कि उसने अपने हवाई क्षेत्र में मिसाइलों और ड्रोन को रोका है। इजरायल के इस कदम के बाद मिडिल ईस्ट में तनावपूर्ण हालात हो गए हैं। इजरायल ने 'ऑपरेशन राइजिंग लॉयन' शुरू किया और ईरान के परमाणु

और मिसाइल ठिकानों को निशाना बनाया। आपको बता दें कि ये कोई पहली बार नहीं है जब इजरायल ने किसी देश के परमाणु ठिकानों को टारगेट किया है। बल्कि इजरायल पहले भी ऐसे कारनामे करके दिखा चुका है।

मोसाद अगर चूक जाता तो इजरायल भी नहीं होता!

इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद जिसे दुनिया की सबसे खूंखार खुफिया एजेंसी भी कहा जाता है। दुनिया में जिसके नाम पर कहानियां चलती हैं। मोसाद को किलिंग मशीन भी कहा जाता है। दरअसल, इजरायल चारो ओर अपने दुश्मनों से घिरा हुआ है। इसलिए वो अपने दुश्मनों से लड़ता भिड़ता और उन्हें डराता नजर आता है। इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद की पहचान उसके मिशन को अंजाम देने के अनोखे तरीकों को लेकर होती है। इजरायल ने कुछ ऐसे मिशन को अंजाम दिया है, जिसके बारे में दुनिया के कई देश सोच भी नहीं सकते। इजरायल ने ऐसे एक मिशन को अंजाम दिया था, जिसमें मोसाद अगर चूक जाता तो कहा जाता है कि आज इजरायल भी नहीं होता।

क्या था ऑपरेशन ओपरा

मोसाद ने दुनिया की सबसे बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक इराक के परमाणु रिएक्टर पर की थी। इसमें किसी आम नागरिक की जान नहीं गई थी। इस बात का ध्यान इस ऑपरेशन को करते वक्त दिया गया था। ऑपरेशन ओपेरा में 7 जून 1981 को शाम 4 बजे 14 लड़ाकू विमानों ने इजरायल के एट्ज़ियन हवाई अड्डे से उड़ान भरी। लगभग शाम 5.30 बजे, उन्होंने इराक में ओसिरक परमाणु रिएक्टर पर हमला किया और उसे नष्ट कर दिया, बिना किसी इजरायली विमान के नुकसान के अपने मिशन को सफलतापूर्वक पूरा किया। इजरायल ने 1981 में इराक पर हुए हवाई हमले में थ–16। जेट्स का इस्तेमाल किया था, जबकि थ–15। जेट्स ने उन्हें सुरक्षा दी थी। इन विमानों ने बाहरी टैंकों में भारी मात्रा में ईंधन ले जाकर लंबे समय तक बहुत कम ऊंचाई पर उड़ान भरी थी।

किसी भी समस्या का समाधान कर सकता हूं, भारत और पाकिस्तान को एक साथ ले आऊंगा : ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा कि कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से दुश्मनी रही है और वह दोनों देशों को एक साथ ले आएंगे। ट्रंप ने दावा किया कि वह ''किसी भी समस्या का समाधान कर सकते हैं।'' अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में एक विधेयक पर हस्ताक्षर के लिए आयोजित समारोह में ट्रंप ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''हम उन दोनों (भारत और पाकिस्तान) को एक साथ लाने जा रहे हैं। मैंने उनसे–भारत और पाकिस्तान से कहा कि कश्मीर को लेकर दोनों देशों के बीच लंबे समय से दुश्मनी है और मैं कुछ भी हल कर सकता हूं।'' भारत लगातार यह

कहता रहा है कि कश्मीर एक द्विपक्षीय मुद्दा है और इसमें किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की कोई गुंजाइश नहीं है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने दोनों देशों से पूछा कि यह दुश्मनी कब से चली आ रही है, तो ''उन्होंने कहा ''2,000 साल'' से, जिस पर उन्होंने (ट्रंप ने) मुस्कुराते हुए जवाब दिया, ''ओह, यह एक बड़ी समस्या है।'' अमेरिकी राष्ट्रपति ने ''फोन पर बातचीत और व्यापार के जरिये'' भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष रुकवाने का अपना दावा दोहराया। उन्होंने कहा, ''मैंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोका, मैंने इसे व्यापार के जरिये रोका। मुझे नहीं लगता कि मैंने इसके बारे में कभी कोई खबर लिखी हुई देखी है, लेकिन यह बहुत, बहुत बढ़िया था। वे तैयारी कर रहे थे।'' ट्रंप ने कहा कि हमला करने की बारी पाकिस्तान की थी और अंततः वे परमाणु हथियारों का रुख करते। उन्होंने कहा, ''लेकिन मैंने इसे रोक दिया। मैंने दोनों से बात की, मैं दोनों देशों के नेताओं का बहुत सम्मान करता हूं। मैं उन्हें जानता हूं और मैंने उनसे बात की। मैंने व्यापार के बारे में बात की।'' ट्रंप ने कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के नेताओं से कहा कि ''अगर आप युद्ध में उलझेंगे, एक–दूसरे पर परमाणु हथियार दागेंगे'', तो आप अमेरिका के साथ व्यापार नहीं कर पाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ''मैंने यह बात उन दोनों (भारत और पाकिस्तान के नेताओं) से कही। उन्होंने मेरी बात को बखूबी समझ लिया और (संघर्ष) रोक दिया। मैंने फोन पर बातचीत और व्यापार के जरिये उस युद्ध को रोक दिया।

ईरान के मुख्य संवर्धन केंद्र सहित अन्य ठिकानों पर इजराइल ने हमला किया : नेतन्याहू

ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के उद्देश्य से इजराइल ने 'ऑपरेशन राइजिंग लॉयन' प्रारंभ करने की घोषणा की, साथ ही इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को दावा किया कि नतांज स्थित ईरान के मुख्य संवर्धन केंद्र सहित अन्य ठिकानों पर हमला किया गया है। नेतन्याहू ने शुक्रवार सुबह एक वीडियो संदेश में कहा, '' कुछ ही समय पहले इजराइल ने 'ऑपरेशन राइजिंग लॉयन' शुरू किया है जो इजराइल के अस्तित्व के लिए ईरानी खतरे को खत्म करने के वास्ते एक लक्षित सैन्य अभियान है। खतरे के समाप्त होने तक यह अभियान जारी रहेगा।'' इजराइल के प्रधानमंत्री ने दावा किया, '' दशकों से तेहरान के तानाशाह खुलेआम इजराइल के विनाश की बातें करते रहे हैं। उन्होंने जनसंहार के अपने बयानों के साथ ही परमाणु हथियार विकसित करने का कार्यक्रम भी संचालित किया। ईरान ने नौ परमाणु बम बनाने के लिए पर्याप्त उच्च–संवर्धित यूरेनियम का हाल के वर्षों में उत्पादन किया है।'' नेतन्याहू ने कहा, ''हाल के महीनों में ईरान ने ऐसे कदम उठाए हैं जो उसने पहले कभी नहीं उठाए। जैसे संवर्धित यूरेनियम से हथियार बनाने का कदम, और अगर इसे नहीं रोका गया तो ईरान बहुत कम समय में परमाणु हथियार बना सकता है। यह एक साल में हो सकता है, यह कुछ महीनों में हो सकता है, या एक साल से भी कम समय में हो सकता है। यह इजराइल के अस्तित्व के लिए एक स्पष्ट खतरा है।'' नेतन्याहू ने कहा कि उनका देश ईरानी शासन के परमाणु जनसंहार का शिकार नहीं बनेगा। इजराइल ने पूरे देश में विशेष आपातकाल की घोषणा कर दी है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

इजराइली हमले में ईरानी सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मोहम्मद बाघेरी भी मारे गए

इजराइली हवाई हमले में ईरान के सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मोहम्मद बाघेरी मारे गए। ईरान के सरकारी टेलीविजन ने अपनी एक खबर में शुक्रवार को यह जानकारी दी। बाघेरी ईरान के अर्धसैनिक बल 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' के पूर्व शीर्ष कमांडर थे। सरकारी टीवी की रिपोर्ट में कोई और विवरण नहीं दिया गया। शुक्रवार को इजराइली हमलों में ईरान में कई सैन्य अधिकारी और वैज्ञानिक मारे गए हैं। इजराइल ने शुक्रवार सुबह ईरान की राजधानी पर हमला कर दिया और देश के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाया जिसके बाद पश्चिम एशिया के दो कट्टर विरोधियों के बीच एक व्यापक युद्ध की आशंका तेज हो गई है। इसे 1980 के दशक में इराक के साथ युद्ध के बाद ईरान पर सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है। इजराइल ने ईरान के मुख्य परमाणु संवर्धन केंद्र को भी निशाना बनाया और हमले के बाद वहां से काला धुआं हवा में उठता देखा गया। इजराइल के हमले में ईरान के अर्द्धसैनिक बल 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' के प्रमुख जनरल हुसैन सलामी की मौत हो गई। देश के सरकारी टेलीविजन ने अपनी खबर में यह जानकारी दी। माना जा रहा है कि इन हमलों में शीर्ष सैन्य अधिकारी और वैज्ञानिक भी मारे गए हैं। यह हमला ईरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम को लेकर बढ़ते तनाव के बीच हुआ है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई ने हमले के बाद कहा कि इजराइल को कड़ी सजा दी जाएगी। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने कहा कि इन हमलों में उसका कोई हाथ नहीं है, साथ ही उसने अमेरिकी हितों या कर्मियों को निशाना बनाकर किसी भी प्रकार की कार्रवाई किए जाने के प्रति चेतावनी दी है। ईरान के परमाणु संवर्धन कार्यक्रम पर रोक लगाने के लिए लगातार की जा रही वार्ता का कोई नतीजा नहीं निकलने पर अमेरिका ने इजराइल से संयम बरतने की अपील की थी। इजराइली नेताओं ने इस हमले को राष्ट्र के अस्तित्व की लड़ाई बताया और कहा कि इस बात का खतरा था कि ईरान परमाणु बम बना सकता है और इस आसन्न खतरे को रोकने के लिए यह हमला आवश्यक था। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान इस लक्ष्य को प्राप्त करने के कितने करीब है या क्या ईरान वास्तव में निकट भविष्य में हमला करने की योजना बना रहा था। इजराइल ने ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के उद्देश्य से 'ऑपरेशन राइजिंग लॉयन' प्रारंभ करने की घोषणा की, साथ ही इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को दावा किया कि नतांज स्थित ईरान के मुख्य संवर्धन केंद्र सहित अन्य ठिकानों पर हमला किया गया है। नेतन्याहू ने शुक्रवार सुबह एक वीडियो संदेश में कहा, '' कुछ ही समय पहले इजराइल ने 'ऑपरेशन राइजिंग लॉयन' शुरू किया है जो इजराइल के अस्तित्व के लिए ईरानी खतरे को खत्म करने के वास्ते एक लक्षित सैन्य अभियान है। खतरे के समाप्त होने तक यह अभियान जारी रहेगा।'' नेतन्याहू ने कहा, ''हाल के महीनों में ईरान ने ऐसे कदम उठाए हैं जो उसने पहले कभी नहीं उठाए। जैसे संवर्धित यूरेनियम से हथियार बनाने का कदम, और अगर इसे नहीं रोका गया तो ईरान बहुत कम समय में परमाणु हथियार बना सकता है। यह एक साल में हो सकता है, यह कुछ महीनों में हो सकता है, या एक साल से भी कम समय में हो सकता है। यह इजराइल के अस्तित्व के लिए एक स्पष्ट खतरा है।'' उधर ईरान की समाचार एजेंसी 'इरना' ने खामनेई के हवाले से एक बयान जारी किया। इसमें पुष्टि की गई कि हमले में शीर्ष सैन्य अधिकारी और वैज्ञानिक मारे गए हैं। इसमें कहा गया, ''इजराइल ने आवासीय केन्द्रों पर हमला करके अपनी दुर्भावनापूर्ण प्रकृति उजागर कर दी है।'' इजराइल ने ईरान की राजधानी में कई जगहों पर हमला किया। नेतन्याहू ने कहा कि परमाणु और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। इसके अलावा ईरान के परमाणु कार्यक्रम और उसके बैलिस्टिक मिसाइल शस्त्रागार का नेतृत्व करने वाले अधिकारियों को भी निशाना बनाया गया।

अपीलीय अदालत ने कैलिफोर्निया से 'नेशनल गार्ड' को हटाने के न्यायाधीश के फैसले पर अस्थायी रोक लगाई

अमेरिका की एक अपीलीय अदालत ने एक संघीय न्यायाधीश के उस आदेश पर अस्थायी रोक लगा दी है जिसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कैलिफोर्निया से 'नेशनल गार्ड' के जवानों को हटाने का निर्देश दिया गया था। ट्रंप ने आव्रजन छापों के विरोध में लॉस एंजिलिस में हुए प्रदर्शनों के बाद जवानों को कैलिफोर्निया में तैनात किया था। अदालत ने कहा कि वह इस मामले पर 17 जून को सुनवाई करेगी। बृहस्पतिवार रात का यह फैसला संघीय न्यायाधीश के उस आदेश के कुछ ही घंटों बाद आया जो शुक्रवार दोपहर से प्रभावी होना था। न्यायाधीश ने फैसला सुनाया कि सेना की तैनाती अवैध है और दसवें संशोधन तथा ट्रंप के वैधानिक अधिकार का उल्लंघन है। यह आदेश केवल 'नेशनल गार्ड' के जवानों पर लागू होता है, नौसेना पर नहीं जिन्हें लॉस एंजिलिस के विरोध प्रदर्शनों के दौरान तैनात किया गया था। न्यायाधीश ने कहा कि वह नौसेना पर कोई फैसला नहीं सुनाएंगे क्योंकि उन्होंने अभी मोर्चा नहीं संभाला है। वहीं, आव्रजन छापों के खिलाफ पूरे अमेरिका में प्रदर्शन बढ़ रहे हैं। कई जगहों पर जहां 'इमिग्रेशन और कस्टम्स इंफोर्समेंट' (आईसीई) के खिलाफ प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से किए गए, वहीं कुछ जगहों पर प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प भी देखी गई। पुलिस ने भीड़ को तितर–बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार भी किया है।

दक्षिण अफ्रीका में बाढ़ से अब तक 78 मौतें, प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे राष्ट्रपति रामाफोसा

केप टाउन (दक्षिण अफ्रीका)। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा शुक्रवार को देश के दक्षिण–पूर्वी क्षेत्र के उन इलाकों का दौरा करेंगे, जहां हाल की विनाशकारी बाढ़ में अब तक 78 लोगों की मौत हो चुकी है। राहत और बचाव कार्य चौथे दिन भी जारी है।

अधिकारियों का कहना है कि मृतकों की संख्या और अधिक बढ़ सकती है। राष्ट्रपति रामाफोसा पूर्वी केप प्रांत के म्थाथा शहर जाएंगे, जहां मंगलवार की सुबह बाढ़ ने सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया। रामाफोसा की यह यात्रा उस समय हो रही है, जब आपदा की शुरुआत में प्रशासन की प्रतिक्रिया को लेकर आलोचना हो रही है। अत्यधिक खराब मौसम को आपदा का कारण माना जा रहा है।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।